संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 61
पृष्ठ 8
मंगलवार
18 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या सच में लकड़ी छूने से नहीं....

विचार- विश्वव्यापी जनमानस की जुबान में ...

खेल- भारत अब घर में शेर नहीं!: 13 महीने ...

बीबीडी दीक्षांत समारोह में बोले मुख्यमंत्री : जारी रहेगी भारत की विकास यात्रा, लकीर की फकीर नहीं बन सकते

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बाबू बनारसी दास (बीबीडी) विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इसके बाद वह बस्ती के दौरे पर रहेंगे। जानकारी के मुताबिकध मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय, लखनऊ के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में विश्वविद्यालय के छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी तथा कुलपति विपिन सागर दास स्वागत करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा सरकार लकीर की फकीर नहीं बन सकती। पिछले 11 वर्षों में देश के चहुंमुखी विकास को दुनिया ने देखा है और यह विकास यात्रा आगे भी जारी रहेगी। बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडी) के दीक्षांत समारोह में छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उन्होने कहा हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते हैं। आपने भारत की विकास यात्रा को 11 वर्ष में

देखा है और यह आगे भी जारी रहेगा। योगी ने कहा कि, आज आप देखते होंगे कि स्पोर्ट्स लोगो के दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है, अखिलेश दास जी यूनियन कैबिनेट में जब थे, उस समय मुझे भी सांसद के रूप में देश की संसद में रहने का अवसर प्राप्त हुआ था।ष उन्होने कहा, हम लकीर के फकीर नहीं बन सकते है, आपने भारत की विकास यात्रा को 11 वर्षों में देखा है, मोदी जी ने देश के अंदर डिजिटल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाया। योगी ने कहा कि अपने उन विभूतियों के प्रति जिनके नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित है उनके प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा का भाव हो। भारत की प्राचीन परपंरा में जब कोई स्नातक गुरुकुल से अपनी शिक्षा पूरी करके निकलता था तो शिक्षक द्वारा सन्देश दिया जाता था कि जीवन में सत्य बोलना और धर्म का आचरण करनाष। मुख्यमंत्री ने कहा देश के अंदर हमारी 56 फीसदी आबादी वर्कफोर्स है। प्रधानमंत्री ने 2020 में भारत को नेशनल एजुकेशन पालिसी दी। स्केल को स्किल से जोड़ने के लिए कारगर तरीकेध अपनाये गए। आपने देखा होगा रोबोटिक में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। हमे भी प्रयास करने होंगे। सीवर के मैनहोल की सफाई करते हुए जिसमे सफाईकर्मी अपना दम तोड़ देता है, हम तकनीक का उपयोग कर सकते है और मानव क्षति को कम कर सकते हैं। दीक्षांत समारोह के बाद मुख्यमंत्री दोपहर एक बजे 5, कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास से कार द्वारा रवाना होंगे और 1.05 बजे लामार्टिनियर कॉलेज ग्राउंड, लखनऊ पहुँचेगे। यहां से वे राजकीय हेलिकॉप्टर द्वारा जनपद-बस्ती के लिए प्रस्थान करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री का दोपहर 1.55 बजे बस्ती पहुँचने का समय निर्धारित है, जहाँ वे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिये विशेष सचिव श्विशाल भारद्वाज को दिवस अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि बस्ती भ्रमण के लिए विशेष सचिव मधुसूदन हुलगी को दिवस अधिकारी नामित किया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रशासनिक गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को तेज करने पर केंद्रित रहेगा।

अमित शाह की अध्यक्षता में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की अहम बैठक

दिल्ली विस्फोट पीड़ितों को श्रद्धांजलि

फरीदाबाद, एजेंसी। सोमवार को फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक एक गंभीर माहौल में शुरू हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार बम विस्फोट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ के उपराज्यपाल और प्रशासक भी शामिल हुए। केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। परिषद केंद्र और सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के बीच मुद्दों और विवादों के समाधान और प्रगति के लिए एक मंच प्रदान करती

है। इसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे शामिल हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों की त्वरित जाँच और उनके त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (एफटीएससी) का कार्यान्वयन शामिल है। बैठक में प्रत्येक गाँव के निर्दिष्ट क्षेत्रों में भौतिक बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करने, आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस-112) को लागू करने और पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, शहरी नियोजन और सहकारी प्रणाली को मजबूत करने सहित विभिन्न क्षेत्रीय स्तर के साझा हित के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। शाह परिषद के अध्यक्ष हैं और हरियाणा के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं। यह बैठक गृह मंत्रालय के अंतर-राज्यीय परिषद सचिवालय द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसकी मेज़बानी हरियाणा सरकार कर रही है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के अंतर्गत, उत्तरी क्षेत्रीय परिषद सहित पाँच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई। एक सदस्य राज्य का मुख्यमंत्री (प्रत्येक वर्ष बारी-बारी से) उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक सदस्य राज्य से, राज्यपाल दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित करते हैं।

मणिपुर में लौटा विश्वास! सेनाध्यक्ष बोले- राष्ट्रपति शासन के बाद तेज़ी से सुधरे हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि दो साल से ज़्यादा समय से हिंसा झेल रहे मणिपुर में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है, क्योंकि राज्य में आशा और उत्साह की किरणें लौट रही हैं और लोग सरकार और एक-दूसरे पर फिर से भरोसा कर रहे हैं। सीओएएस के अनुसार, राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद सुरक्षा स्थिति में सुधार के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आने वाले दिनों में मणिपुर का दौरा कर सकती हैं। इससे पहले सितंबर में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर का दौरा किया था, जहाँ उन्होंने विस्थापित लोगों से बातचीत की

थी और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा किया था। थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने नई दिल्ली में चाणक्य रक्षा संवाद के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आशा और उत्साह के दिन लौट रहे हैं। सितंबर में भी हमारे प्रधानमंत्री ने राज्य का दौरा किया था और इसे भारत का श्रत्नश कहा था। इन वार्ताओं से लोगों में आशा की किरण जगी है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो आने वाले दिनों में राष्ट्रपति मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। चाणक्य रक्षा संवाद भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी है जिसका उद्देश्य भारत और विदेश के नीति निर्माताओं, रणनीतिक विचारकों, शिक्षाविदों, रक्षा कर्मियों, पूर्व सैनिकों, वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों को एक साथ लाकर भारत की रणनीतिक दिशाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं का अध्ययन करना है। मई 2023 में भड़की हिंसा के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि फरवरी 2025 में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

कश्मीर को सुरक्षित बनाने चले थे मगर दिल्ली को असुरक्षित बना दिया : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने लाल किले के पास हुए आत्मघाती विस्फोट के बाद केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने जम्मू-कश्मीर में ''झूठी सामान्य स्थिति'' का दिखावा किया है, जबकि देश में कट्टरपंथ और असुरक्षा बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''आप दुनिया को बताते रहे कि कश्मीर शांत है, लेकिन कश्मीर की गूंज सीधे लाल किले तक पहुंच गई।'' महबूबा

ने कहा कि आप जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा करते थे, लेकिन आपकी नीतियों ने दिल्ली को भी असुरक्षित कर दिया। पीडीपी ने दिल्ली और नौगाम में हुए दोनों विस्फोटों की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए यह भी दावा किया कि ''कश्मीर और शेष भारत के बीच संवाद समाप्त हो चुका है''। हम आपको बता दें कि महबूबा का यह बयान ऐसे समय आया है जब एनआईए ने 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर कार-बम धमाके की जांच तेज कर दी है। एनआईए ने रविवार को आमिर रशीद अली को गिरफ्तार किया, जो आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ साजिश रचने का आरोपित है। हमले में इस्तेमाल कार आमिर रशीद अली के नाम पर ही दर्ज थी। देखा जाये तो पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का बयान न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि सुरक्षा बलों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी बाल दिवस के उपलक्ष्य में समारोह गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना के अध्यक्षता सचिव उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि छाया सक्सेना प्रभु काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनुराधा गर्ग । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, आशा जाकड़,सरिता कपूर, साधना खरे, डॉ कुमकुम शुक्ला, सुनीता मिश्रा, डॉ कुमारी शशि जायसवाल, दया शर्मा शिलांग डॉ मधु पाठक जौनपुर, सुनीता गुप्ता, पूनम पांडे सभी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

मोदी 19 नवंबर को कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

चेन्नई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। इसका उद्देश्य सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करना तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाना है। इस तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन का विषय है भविष्य के लिए खेती, परंपरा में निहित है जिसका आयोजन कपड़ा नगरी के विशाल कोडिशिया व्यापार मेला परिसर में होगा। श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि हमारे भविष्य का समाधान अपनी जड़ों की ओर लौटने में निहित है। उन्होंने कहा कि प्रकृति दोहन करने वाला कोई संसाधन नहीं, बल्कि सम्मान योग्य भागीदार है। सूत्रों के अनुसार दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का आयोजन स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने, सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करने, पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को पुनर्जीवित करने तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिए किया जा रहा है। भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति और परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) जैसी राष्ट्रीय पहलों से प्रेरित यह शिखर सम्मेलन एक मंच के अंतर्गत शोध, नीति, किसान अनुभव और उपभोक्ता आवश्यकताओं को समाहित करता है। इस शिखर सम्मेलन में 30,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने का अनुमान है, जिसमें किसान, कृषि उद्यमी, नीति निर्माता, प्राकृतिक कृषि समर्थक, स्टार्ट-अप, शिक्षाविद, उपभोक्ता समूह और युवा नेता शामिल होंगे। इसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती एवं पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना; किसान-उत्पादक संगठनों एवं ग्रामीण उद्यमियों के लिए बाजार संपर्क बनाना, जैविक आदानों, कृषि प्रसंस्करण, पर्यावरण-पैकेजिंग और स्वदेशी प्रौद्योगिकी में नवाचारों एवं उपकरणों का प्रदर्शन करना।

सऊदी अरब में सड़क हादसे में 42 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

जेद्दाह, एजेंसी। सऊदी अरब में मदीना के पास सोमवार तड़के एक बस के डीजल के टैंकर से टकरा जाने से कम से कम 42 तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका है। हादसे के समय बस मक्का से मदीना जा रही थी। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने दुर्घटना की पुष्टि की है और हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दूतावास ने कहा, ष्सऊदी अरब के मदीना के पास भारतीय तीर्थयात्रियों की बस दुर्घटना के मद्देनजर जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह कक्ष सातों दिन 24 घंटे काम करेगा। हेल्पलाइन का संपर्क विवरण इस प्रकार हैरू 8002440003 (टोल फ्री), 0122614093, 0126614276, 0556122301 (व्हाट्सएप)।ष माना जा रहा है कि हताहतों में ज्यादातर लोग तेलंगाना के निवासी थे। अभी तक विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

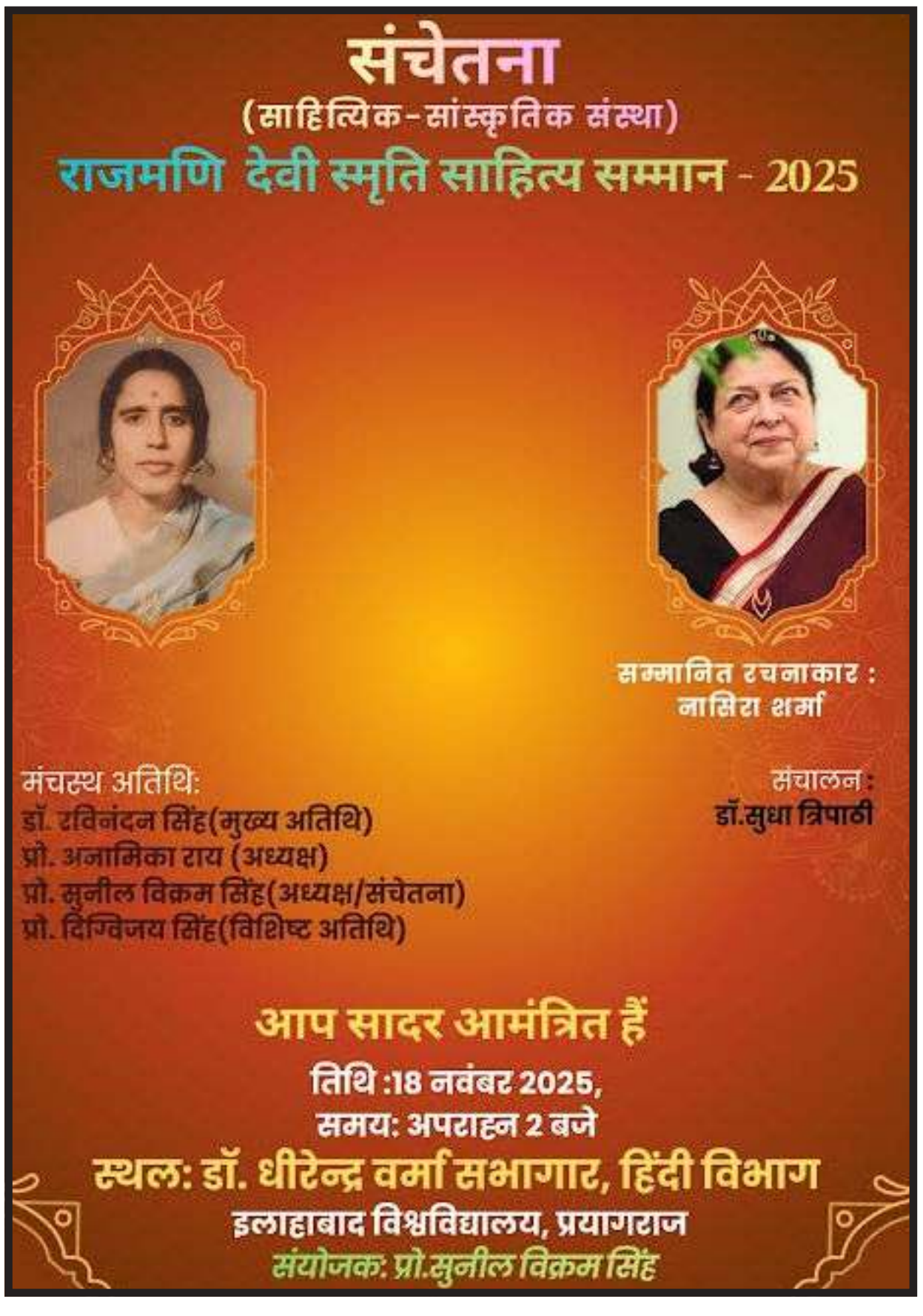

महाकुंभ में साध्वी बनी लड़की 10 महीने बाद घर लौटी

प्रयागराज (संवाददाता)। आगरा की रहने वाली 13 साल की किशोरी महाकुंभ में संन्यास लेकर साध्वी गौरी बन गई थी। जूना अखाडे़ के महंत कौशल गिरि को परिजनों ने बेटी दान कर दिया था। इसके बाद महंत को भी अखाडे़ से निकाल दिया गया। साध्वी को नारी निकेतन आगरा में रखा गया था, जहां से अब करीब 10 महीने बाद उसे घरवालों को सौंपा गया है। लेकिन साध्वी हरियाणा में अपने गुरु के पास चली गई। पुलिस 3 दिन पहले 13 नवंबर को साध्वी को उसके गुरु के वहां से लाई, काउंसिलिंग करके रविवार को उसे परिवार को सौंप दिया। अब साध्वी का कहना है– मैं मां–पिता के साथ रहना चाहती हूं। पढ़–लिखकर जीवन में कुछ अच्छा करने का इरादा है। उधर, साध्वी की मां बच्ची को पाकर खुश हैं। मां का कहना है कि बेटी महाकुंभ में बाबा के बहकावे में आ गई थी। 5 दिसंबर को आगरा की डौकी में रहने वाली 13 साल की किशोरी अपने परिवार के साथ महाकुंभ गई थी। वहीं पर चिंतन के बाद उसने फैसला किया कि वह संन्यास लेकर आराधना करेगी। परिवार के साथ घर जाने से मना कर दिया। फिर परिवार ने जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि को बेटी दान कर दी। गुरु की मौजूदगी में लड़की को पहले गंगा स्नान कराया गया। संन्यास दिलाया गया। गुरु की तरफ से उन्हें साध्वी गौरी कहा गया। इस तरह उन्हें नया नाम भी मिला था।

प्रयागराज–कानपुर नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस में रेलवे का विशेष अभियान

प्रयागराज (संवाददाता)। आनंद विहार से कामाख्या जा रही नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एक विशेष जांच अभियान चलाया गया। प्रयागराज से कानपुर के बीच गाड़ी संख्या 12505 और 12506 में इस अभियान के दौरान टिकट जांच टीम ने कुल 59 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि जांच में 19 बिना टिकट यात्रियों से 14,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं, 39 अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से 19,500 रुपए की वसूली की गई। इसके अलावा, ट्रेन में गंदगी फैलाने वाले एक यात्री पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान पांच अवैध वेंडर भी पकड़े गए, जिन्हें आगे की कार्रवाई के लिए आरपीएफ के सुपुर्द कर दिया गया।

अखिलेश यादव ने संगठन विस्तार में बढ़ाया फोकस

प्रयागराज (संवाददाता)। बिहार चुनाव में गठबंधन की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पार्टी की टीम को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रयागराज के वरिष्ठ समाजवादी नेता बब्बन दुबे को प्रदेश कार्यकारिणी में सदस्य बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा होते ही पार्टी कार्यालय से लेकर उनके घर तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकारिणी में शामिल किए जाने के बाद सपा कार्यालय प्रयागराज में बब्बन दुबे का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया। नेताओं ने एक स्वर में कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत स्थिति में लाने के लिए वे पूरी ताकत से मैदान में उतरेंगे। इस अवसर पर सपा नेता बब्बन दुबे ने कहा कि संगठन में मिली नई जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने बताया कि वे एसआईआर (सोशल इंडेक्स रिपोर्ट) और बूथ प्रबंधन पर विशेष फोकस करेंगे। उनका कहना था कि 2027 की लड़ाई बूथ स्तर पर लड़नी होगी और इसके लिए शहर से लेकर गांव तक हर सेक्टर में टीम तैयार की जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि 2027 का चुनाव समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए करो या मरो की तरह होगा। लोकसभा चुनाव में च्क। फार्मूले पर बड़ी कामयाबी मिली थी, लेकिन कई सीटों पर भाजपा ने मशीनरी का दुरुपयोग कर जीत दर्ज कराई। इस बार आम लोग जागरूक हैं और हर बूथ पर नजर रखी जाएगी। हमारे कार्यकर्ता 10 हजार रुपए में बिकने वाले नहीं हैं। हम लड़ेंगे और आखिरी दम तक लड़ेंगे, भाजपा को सत्ता में नहीं आने देंगे। दक्षिणी विधानसभा से टिकट की मांग पर उन्होंने कहा कि वे दावेदारी रखते हैं, लेकिन यदि पार्टी किसी और को टिकट देती है तो भी वे पूरी निष्ठा से उसका समर्थन करेंगे।

प्रयागराज में 1.63 लाख बुजुर्गों तक पहुंची वृद्धावस्था पेंशन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ 1.63 लाख से अधिक बुजुर्गों को मिला है। मौजूदा वित्तीय वर्ष की दूसरी किश्त में कुल 1,63,968 लाभार्थियों को पेंशन राशि जारी की गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी राम शंकर पटेल ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष के बाद नई प्रविष्टियों और मृतक लाभार्थियों की जांच के आधार पर लगभग 4,100 नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया लगातार जारी है, जिससे हर साल पेंशन पाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह पेंशन अप्रैल, मई और जून माह की तीन महीने की संयुक्त किश्त के रूप में जारी की गई है। जिले में लाभार्थियों की यह संख्या योजना के तेजी से विस्तार को दर्शाती है। प्रयागराज मंडल में भी वृद्धावस्था पेंशन योजना का प्रभाव बढ़ रहा है। इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में मंडल के कुल 5,06,375 बुजुर्गों को पेंशन प्रदान की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश स्तर पर पहली तिमाही में 67,50,000 लाभार्थियों को पेंशन जारी की गई, जो राज्य सरकार की सामाजिक सुरक्षा नीति की मजबूती को प्रदर्शित करता है। योजना का यह बढ़ता दायरा बुजुर्गों के लिए आर्थिक स्थिरता प्रदान करने और उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायक साबित हो रहा है।

एयरफोर्स इंजीनियर हत्याकांड का पूरा सीसीटीवी फुटेज

पिस्तौल लेकर बेखौफ घूमता रहा शूटर, एक घंटे में 8 बार घर के अंदर-बाहर गया

प्रयागराज (संवाददाता)। एयरफोर्स के कमांडर सत्येंद्र नाथ मिश्रा की हत्या का वीडियो करीब साढ़े सात महीने बाद सामने आया है। प्रयागराज के एयरफोर्स कैंपस में 29 मार्च को तड़के 3.15 बजे उनको गोली मारी गई थी। वह चीफ इंजीनियर वर्क के पद पर तैनात थे।

वारदात के दो दिन बाद पुलिस ने कैंपस में सफाई करने वाले के बेटे सौरभ को अरेस्ट किया था। जबकि सफाईकर्मी पिता शिव कुमार और मां सुनीता को साजिश रचने का आरोपी बनाया था। पुलिस ने बताया था कि आरोपी सौरभ का कौशांबी जेल में बंद बड़ा भाई हनी उर्फ गौतम भी हत्याकांड में शामिल था।

हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि हत्या के एक दिन पहले 28 मार्च 2025 को सौरभ, कौशांबी जेल में भाई हनी से मिलकर लौटा था। इसके बाद उसने मर्डर किया। पुलिस के अनुसार, चोरी की नीयत से हत्या की गई थी।

जबकि, हत्या वाली रात के वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति कैंपस में दाखिल हो रहा है। वह देर रात 2 बजकर 33 मिनट पर कैंपस में दाखिल होता है और करीब 49 मिनट 11 सेकेंड बेखौफ घूमता हुआ दिख रहा।

अब वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने किसी बड़ी एजेंसी से इस मामले की जांच की मांग की है। बता दें कि पुलिस के खुलासे के बाद इंजीनियर की पत्नी वत्सला ने कई सवाल खड़े किए थे।

वीडियो फुटेज में इंजीनियर के सरकारी आवास के सामने और पीछे के हिस्से की ओर आरोपी आठ बार चक्कर लगाता दिखा। हाथ में पिस्टल लेकर वह बेखौफ घूमता नजर आया। कुछ देर बाद वह खिड़की के पास पहुंचकर गोली चलाता है। इसके बाद वह उसी रास्ते से बाहर निकल जाता है, जिससे वह अंदर आया था।

शुरू में पुलिस जांच में सामने आया कि मर्डर से ठीक पहले सौरभ ने 1.5 लाख रुपए का मोबाइल और 2 लाख रुपए की स्पोर्ट्स बाइक खरीदी थी। जेल में बंद भाई हरी की जमानत कराने के लिए उसको रुपए की जरूरत थी। इसलिए चोरी करने आया, अचानक घर की खिड़की चीफ इंजीनियर ने खोल दी, घबराकर सौरभ ने उन पर गोली चला दी।

इंजीनियर की पत्नी वत्सला ने पुलिस के इस खुलासे पर सवाल उठाए थे। इसके बाद लखनऊ में DGP ने एक SIT गठित की। SIT ने जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट तैयार की। बताया जा रहा है कि अब प्रयागराज पुलिस एक बार दोबारा इस मर्डर केस की जांच को शुरू करेगी।

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि हत्यारा पेड़ के सहारे बाउंड्री वॉल पर चढ़कर अंदर घुसा। उसने बाउंड्री पर लगे तारों को काटा और रस्सी के सहारे नीचे उतरा। इसके बाद वह इंजीनियर के आवास की ओर गया। आगे और पीछे दोनों हिस्सों में लगातार मूवमेंट करता रहा।

उसकी एक्टिविटी किसी घबराए हुए चोर जैसी नहीं बल्कि एक प्रोफेशनल शूटर जैसी नजर आई। फुटेज में दो बार गोली चलने के संकेत भी सामने आए हैं। आखिर में वह 3 बजकर 22 मिनट 21 सेकेंड पर कैंपस से बाहर चला जाता है।

इस फुटेज के सामने आने के बाद पुलिस की शुरुआती थ्योरी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपी सौरभ बाबू पासी चोरी की नीयत से घर में घुसा था और असफल होने पर गोली चलाकर भाग गया। लेकिन लगभग पचास मिनट का ठहराव, प्लांड मूवमेंट, हथियार के साथ प्रवेश और बिना हड़बड़ी के निकल जाना, उनके दावों की पोल खोल दे रहा।

इंजीनियर की पत्नी वत्सला मिश्रा ने कहा कि फुटेज यह साफ दिखाता है कि हत्यारा पूरी तैयारी के साथ आया था और उसने कहीं से भी जल्दबाजी या डर नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि उद्देश्य केवल चोरी होता तो वह हथियार लेकर क्यों आता और इतनी देर तक हाई सिक्योरिटी क्षेत्र में क्यों ठहरता। उनका कहना है कि यह कोई साधारण वारदात नहीं बल्कि योजनाबद्ध हत्या है, जिसकी सीबीआई से जांच कराई जानी चाहिए।

इस फुटेज के सामने आने के बाद अब जांच एजेंसियों के सामने नए सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल उठ रहे कि क्या यह एक टारगेटेड अटैक था, अगर किसी के कहने पर यह हत्या की गई तो वह कौन था, यह हत्या क्यों की गई। क्या कोई विभागीय मसला था या व्यक्तिगत दुश्मनी की वजह से यह हत्या की गई।

पुलिस के अनुसार, 28 मार्च की रात को आरोपी सौरभ इंजीनियर के घर लूटपाट करने पहुंचा था। उसने इंजीनियर के घर के पीछे लगे दरवाजा का एक हिस्सा काट दिया था। ब्ब्ज्ट के तार पहले ही काट चुका था। ऐसे में ड्राइंग रूम में लगे स्क्रीन ब्लैंक हो गए थे।

आहट पाकर इंजीनियर एसएन मिश्रा और उनकी पत्नी वत्सला की नींद खुली। इंजीनियर सामने आए तो सफाईकर्मी के बेटे ने गोली चला दी। जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी, उसके मां–पिता को गिरफ्तार किया है। तीनों वारदात में शामिल थे।

प्रयागराज पुलिस ने इस केस का 3 दिन में खुलासा किया। जांच में सामने आया कि बमरौली के बिहारा निवासी शिवकुमार और उसकी पत्नी सुनीता, दोनों वायुसेना कैंपस के घरों में साफ–सफाई करते थे। इंजीनियर एसएन मिश्रा (सत्य नारायण) के घर भी आते–जाते थे।

पुलिस के मुताबिक, शिवकुमार के बेटे सौरभ और हनी उर्फ गौतम आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। हनी कौशाम्बी जेल में बंद है। उसके खिलाफ हत्या और लूट के मामले दर्ज हैं। हनी की जमानत कराने के लिए परिवार को पैसों की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने मिलकर चीफ इंजीनियर के घर धावा बोलने की प्लानिंग की।

उनका इरादा लूट का था, मगर चीफ इंजीनियर के परिवार के अचानक जाग जाने से उनके मंसूबे कामयाब नहीं हो सके। चीफ इंजीनियर ने जब खिड़की खोली तो सौरभ को पहचान गए, इसलिए डरे हुए सौरभ ने उन्हें गोली मार दी।

चाकू से गर्दन पर आठ, शरीर पर ताबड़तोड़ 10 वार

मारकर दफनाई गई इंटर की छात्रा के शव के पोस्टमार्टम में खौफनाक खुलासा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के थरवई में बेरहमी से मारकर दफनाई गई इंटर की छात्रा के शव के पोस्टमार्टम में खौफनाक खुलासा हुआ है। पता चला है कि चाकू से ताबड़तोड़ वारकर उसे मौत के घाट उतारा गया।

गर्दन पर 8 जबकि एक वार ठुड्ढी के नीचे किया गया। सिर पर पीछे की ओर ईंट जैसी किसी चीज से भी एक चोट पहुंचाई गई। पोस्टमार्टम के दौरान छात्रा के शरीर पर बर्बरता के निशान देखकर डॉक्टर भी स्तब्ध रह गए।

सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान यह भी पाया गया कि दुपट्ट्टे से छात्रा का गला कसने की भी कोशिश की गई। दरअसल मौके पर शव जमीन से निकलवाए जाने के दौरान भी गले में दुपट्ट्टा कसा पाया गया था। इससे माना जा रहा है कि पहले उसे गला कसकर मारने की कोशिश की गई। नाकाम रहने पर चाकू से वारकर उसे मौत के घाट उतारा गया।

यह भी बात सामने आई है कि छात्रा की सांस की नली भी कट गई थी। पोस्टमार्टम में यह नली इंजर्ड पाई गई है।

माना जा रहा है कि चाकू से किए गए ताबड़तोड़ वार के चलते ही ऐसा हुआ और मौत का यह भी कारण बना। हालांकि पोस्टमार्टम में मौत का कारण हेमोरेजिक शॉक यानी अधिक खून बह जाने से संचार तंत्र का कोलैप्स कर जाना सामने आया है

पोस्टमार्टम के दौरान यह भी बात सामने आई कि छात्रा की हत्या उसी दिन हुई, जिस दिन उसे अगवा किया गया। यानी 10 नवंबर को ही उसे मार डाला गया। दरअसल डॉक्टरों ने शव के परीक्षण के बाद पाया कि यह लगभग एक हफ्ते पुराना है। पोस्टमार्टम रविवार शाम 4रू30 बजे के करीब हुआ। इस हिसाब से अनुमान लगाया जाए तो एक हफ्ते पहले 10 नवंबर का दिन था।

उधर सूत्रों के मुताबिक, अब तक कि जांच में जो बात सामने आई है कि उससे यह भी आशंका है कि हत्या में एक से ज्यादा लोग शामिल रहे हों। दरअसल नृशंस तरीके से हत्या के बाद जिस तरह शव को ठिकाने लगाया गया, उससे साफ है कि यह किसी अकेले व्यक्ति का हाथ नहीं।

छात्रा को जिस तरीके से शहर से 20 किमी दूर ले जाकर बेरहमी से कत्ल किया गया, उससे यह भी आशंका है कि कत्ल की इस वारदात में उसका कोई जानने वाला भी जरूर शामिल रहा होगा। एक शक यह भी है कि हत्यारे का कनेक्शन थरवई या आसपास के इलाके से भी हो सकता है। दरअसल जिस जगह हत्या के बाद शव दफनाया गया, वहां अनजान का पहुंच पाना आसान नहीं। यहां तक जाने का कोई आम रास्ता भी नहीं। ऐसे में माना जा रहा है कि हत्यारे इस जगह से अच्छी तरह परिचित थे।

इस मामले में यह खुलासा भी हुआ है कि 11 नवंबर को यानी छात्रा के गायब होने के अगले ही दिन उसका स्कूल बैग सोरांव के देवरिया गांव से बरामद हो गया था। इसमें मृतका का आधार कार्ड के अलावा एक छोटा मिरर भी मिला था। कुछ दूर पर सिंदूर की एक डिबिया भी पड़ी थी। 12 नवंबर की सुबह कैंट पुलिस ने पहुंचकर बैग व अन्य सामान अपने कब्जे में ले लिया था।

छात्रा मोबाइल फोन चलाती थी लेकिन घटना वाले दिन वह अपना मोबाइल घर पर ही छोड़ गई थी। इस मोबाइल में सिम नहीं था। वह घर में लगे वाईफाई से मोबाइल चलाती थी। हालांकि उसके मोबाइल से चौट और मैसेज डिलीट मिले हैं।

प्रयागराज में पहली बार चिल्ड्रन लिटरेरी फेस्टिवल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में ष्संचारी इलाहाबादष संस्था की ओर से शहर में पहली बार चिल्ड्रन लिटरेरी फेस्टिवल का आयोजन किया गया। सिविल लाइंस स्थित ग्रीनवुड परिसर में हुए इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समूह की सचिव डॉ. कृष्णा गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तीन सौ से अधिक बच्चों ने अलग–अलग एक्टिविटी में हिस्सा लिया। कहीं फोटो कहानी के जरिए नाटकीय शैली में स्टोरी टेलिंग हुई, तो कहीं बच्चे कहानी लेखन, कविता, थिएटर और पुस्तक पठन में डूबे नजर आए। इंडिया पोस्ट के सहयोग से पत्र लेखन का आयोजन हुआ और फिलैटली स्टॉल बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहा। फेस्टिवल की शुरुआत चंद्रशेखर आजाद पार्क से हुई, जहाँ डॉ. उर्मी नियोगी ने बच्चों को कहानियां सुनाईं। लेखिका सुनीता पंत बंसल ने गीता को रोचक रूप में समझाया, जबकि डॉ. धनंजय चोपड़ा ने कहानी कहना व लिखना सिखाया। कासिम फारुकी और डॉ. इनैमुअल जॉर्ज ने कैरिकेचर की कला से परिचय कराया। देशभर से आए विशेषज्ञ समीना मिश्रा, वत्सला जुत्शी, मेघना श्रीश, रचना, मीरा हदप, काव्या मेहता, रश्मि विक्रम, रुचि कपूर और चेतना मेहरोत्रा ने बच्चों को खेल–खेल में क्रिएटिविटी से जोड़ने का प्रयास किया। उद्घाटन के अवसर पर संचारी की संस्थापक समीना नकवी ने फेस्टिवल की रूपरेखा और उद्देश्य साझा किए। कार्यक्रम में पूजा गुप्ता, ताहिरा काजमी, अनु अग्रवाल सहित संस्था सदस्य व कई अध्यापक मौजूद रहे।

होटल बुकिंग और बैंकिंग हेल्पडेस्क के जरिए उड़ाए लाखों

प्रयागराज (संवाददाता)। साइबर ठगों ने शहर के तीन लोगों को अलग–अलग झांसे देकर कुल 16.25 लाख रुपये की चपत लगा दी। ठगों ने होटल बुकिंग, बैंकिंग हेल्पडेस्क और शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर रुपये उड़ा लिए। सभी मामलों में साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर निवासी अधिवक्ता विष्णु नारायण पांडेय ने बताया कि उनके साथी विनायक ने पांच नवंबर को ऑनलाइन होटल बुकिंग का प्रयास किया था। इसी बीच खुद को होटल एजेंट बताने वाले व्यक्ति ने व्हॉट्सऐप पर बुकिंग लिंक भेजी और ओटीपी मांगकर विनायक के क्रेडिट कार्ड से चार बार में कुल 1.70 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। करेली निवासी ताहिर खान ने बताया कि उनका बैंक खाता कई महीनों से बंद था। बैंक से संपर्क करने के लिए निकाले गए ऑनलाइन नंबर पर फोन करने पर ठग ने खुद को बैंक कर्मी बताया और मोबाइल में सेटिंग्स करवा कर एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा। इसके जरिए खाते से 6.24 लाख रुपये निकाल लिए गए और उनके नाम पर लोन भी स्वीकृत करा लिया गया। उधर, उतरांव थाना क्षेत्र के बरेठी गांव की अनीता उपाध्याय के साथ ठगों ने टेलीग्राम के जरिये 8.31 लाख रुपये की ठगी कर ली। अंजान नंबरों से आए संदेशों में उन्हें कम समय में अधिक मुनाफे का लालच दिया गया था।पुलिस का कहना है कि सभी तीनों मामलों में जांच जारी है और साइबर ठगों की तलाश के लिए तकनीकी साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं।

प्रयागराज के जज के नाम पर फर्जी कॉल, चुनाव ड्यूटी से नाम कटवाने के लिए बिजनौर के डीएम-एसडीएम को किया फोन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में तैनात जज के नाम का दुरुपयोग करते हुए फर्जी सिफारिश करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला की चुनाव ड्यूटी कटवाने के लिए अज्ञात शख्स ने जज बनकर बिजनौर जिले के डीएम–एसडीएम को कॉल किया। जानकारी पर जज की ओर से कर्नलगंज थाने में थ्प्त् दर्ज कराई गई है।

जज जिला न्यायालय में तैनात हैं। 18 अगस्त 2025 को उप जिलाधिकारी, धामपुर (बिजनौर) कार्यालय से उन्हें सूचना मिली कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कोई व्यक्ति उनके नाम से फोन कर रहा है। साथ ही बिजनौर जिले के कई आला अफसरों को फोन कर निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण 2025 अभियान में नियुक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (।त्व्) प्रीति गुप्ता की ड्यूटी हटवाने के लिए दबाव बना रहा है। न्यायिक अफसर ने बताया कि उक्त मोबाइल नंबर उनका नहीं है और न ही उन्होंने कोई कॉल की है।

जज ने पुलिस को बताया, जब मोबाइल नंबर को ट्रू–कॉलर पर चेक किया गया तो उसमें "Chief Judicial Magistrate Acjmjudge Sahab ..." का नाम डिस्प्ले होता मिला। इसके साथी ही ट्रू–कॉलर प्रोफाइल से mayankjaiswal67701@gmail-com email ID भी लिंक पाई गई। इसके अलावा जज जब अदालत पहुंचे तो 10 नवंबर को उनकी कोर्ट के पते पर एक स्पीड पोस्ट पहुंचा। यह बेंगलुरु निवासी विपिन कुमार ने भेजी थी। पत्र में दावा किया गया था कि आयुष जैन नाम का व्यक्ति उक्त नंबर का उपयोग कर रहा है और उनके नाम पर अधिकारियों से अनुचित कार्य करवाने की कोशिश कर रहा है। उधर तहरीर मिलने के बाद कर्नलगंज पुलिस ने अज्ञात नंबर धारक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

डी एस पब्लिक स्कूल में भव्य विज्ञान एवं गणित मॉडल्स प्रदर्शनी का आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल मे एक विशाल एवं भव्य विज्ञान तथा गणित मॉडल्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी में कक्षा 9वी से कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विज्ञान तथा गणित से जुड़े हुए सक्रिय मॉडल्स एवं परियोजनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर सुनील तेवतिया ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर बाल वैज्ञानिकों के कार्य का निरीक्षण करके उनका उत्साह वर्धन किया। प्रदर्शनी में श्री राम ग्रुप आफ कॉलेजेस की प्राचार्य डॉक्टर प्रेरणा मित्तल एवं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के भूतपूर्व समन्वयक तथा एस डी इंटर कॉलेज के भूतपूर्व प्रवक्ता श्री राकेश कौशिक ने बच्चों के कार्य का मूल्यांकन करके निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. सुभाष चंद्र शर्मा , अति विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील तेवतिया सहित स्कूल चेयरमैन श्री एस एल शर्मा, डायरेक्टर श्रीमती रेणु शर्मा, एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन एवं प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा के साथ–साथ डॉक्टर प्रेरणा मित्तल एवं श्री राकेश कौशिक ने संयुक्त रूप से किया। स्कूल मैनेजमेंट की ओर से स्कूल चेयरमैन श्री एस एल शर्मा, डायरेक्टर श्रीमती रेणु शर्मा, एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन तथा प्रधानाचार्य गगन शर्मा ने मुख्य अतिथि डॉक्टर सुभाष चंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ सुनील तेवतिया सहित निर्णायक मंडल के सदस्य श्री राकेश कौशिक

एवं डॉ प्रेरणा मित्तल का बुके देकर तथा पटका पहनकर अभिनंदन किया। सभी अतिथियों का प्रतीक चिन्ह देकर भी अभिनंदन किया गया। सभी अतिथियों ने बाल वैज्ञानिकों एवं गणितज्ञों के द्वारा बनाई गई परियोजनाओं एवं मॉडल्स की प्रशंसा करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। प्रदर्शनी में आज विज्ञान ग्रुप में 22 तथा गणित ग्रुप में 15 मॉडल्स प्रदर्शित किए गए। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वायु प्रदूषण, हरित ऊर्जा, न्यूक्लियर पावर प्लांट, लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, आपदा प्रबंधन, श्वसन तंत्र, ऊर्जा स्थानांतरण, सौर ऊर्जा एवं पृथ्वी की विभिन्न परतों की हलचल द्वारा पृथ्वी के भौगोलिक रूप का निर्धारण सहित हाइड्रोलिक जेसीबी, मानव हृदय संरचना, सिक्योरिटी डोर अलार्म, चंद्रयान, फेफड़ों की गतिविधियां ,सूक्ष्मदर्शी, मानव पाचन तंत्र, जायरोस्कोप एवं मृदा सिंचाई के मॉडलू प्रस्तुत किए। गणित में विद्यार्थियों ने त्रिकोणमितीय मान ,स्थानीय मान, कोणों की विशेषताएं, गणितीय फार्मूले तथा गणित आधारित खेल, रैखिक समीकरण तथा पाइथागोरस थ्योरम एवं ज्यामितीय संरचनाओं के मॉडल्स प्रस्तुत किये। निर्णायक मंडल द्वारा किए गए मूल्यांकन तथा घोषित परिणामों अनुसार विज्ञान वर्ग में जहरा, एमी एवं रुद्र प्रताप शर्मा द्वारा प्रस्तुत पृथ्वी की परतों में हलचल द्वारा पृथ्वी की भौगोलीय संरचना में बदलाव की परियोजना को प्रथम, अरनव शर्मा , कार्तिक ,अभिनव ,सूर्यांश एवं हर्ष द्वारा प्रदर्शित स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी सिस्टम के मॉडल को द्वितीय तथा आराध्या ,अनुष्का, दृष्टि ,मैत्री एवं खुशी द्वारा प्रदर्शित आपदा प्रबंधन के मॉडल को तृतीय घोषित किया गया। गणित प्रदर्शनी में खुशी बंसल एवं मान्या कश्यप द्वारा प्रदर्शित परियोजना को प्रथम , अर्जुन खाटियान, आयुष कुमार एवं मोहम्मद साद द्वारा प्रदर्शित कोणों की विशेषता के मॉडल को द्वितीय तथा हर्षित पाल द्वारा प्रदर्शित अलजेब्रेक आईडेंटिटीज के मॉडल को तृतीय घोषित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार प्रकट किया। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए सभी के स्वर्णिम भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सहयोग रहा।

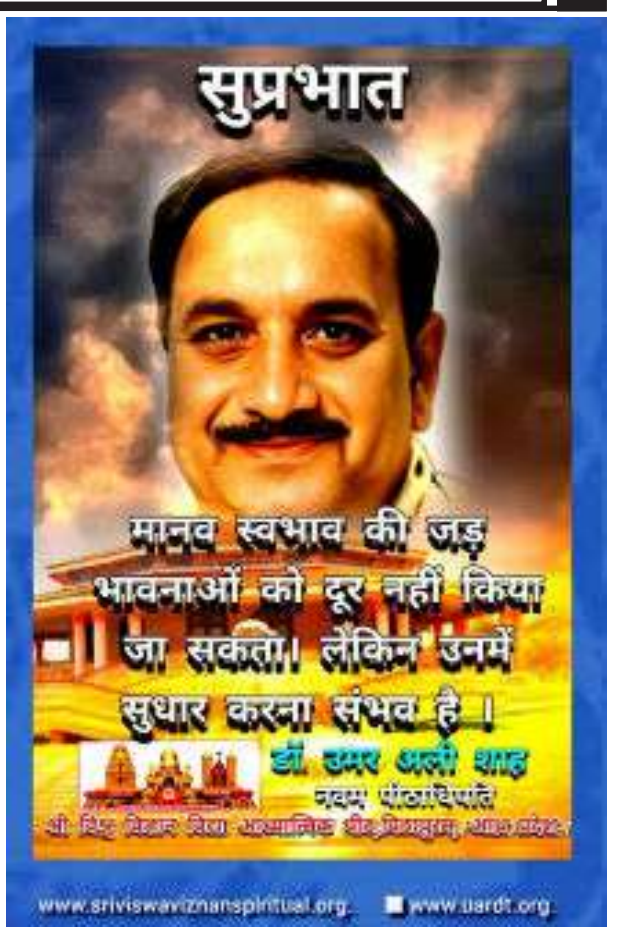

राष्ट्रपति करेंगी ब्रह्माकुमारीज कार्यक्रम का उद्घाटन

लखनऊ में होगा राज्य स्तरीय आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गोमती नगर सेवा केंद्र ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इसमें आगामी राज्य स्तरीय कार्यक्रम श्विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान,योग की रूपरेखा साझा की गई। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 28 नवंबर, शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सुल्तानपुर रोड स्थित राजयोग प्रशिक्षण केंद्र, गुलजार उपवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। यह जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में राधा दीदी ने दी। उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज की स्थापना आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है और इसके सेवा केंद्र देश–विदेश में फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ते तनाव, अविश्वास और विचलन के बीच आध्यात्मिक जागरण और ध्यान के माध्यम से एकता का वातावरण बनाना है। कटक से आए नथमल भाई ने विश्व एकता और विश्वास की बढ़ती आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज कई चुनौतियों से गुजर रहा है। ऐसे में राजयोग ध्यान मन को स्थिरता, शांति और साहस प्रदान कर मानवीय मूल्यों को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था पिछले कई वर्षों से इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मधुबन, माउंट आबू से पधारी लीना दीदी ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राजयोग प्रशिक्षक और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ शामिल होंगी। प्रमुख सत्रों में अनुभव साझा करना, समूह ध्यान, आध्यात्मिक संवाद और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा शामिल रहेगी। लीना दीदी ने उम्मीद जताई कि यह आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक सद्भाव का संदेश देगा और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

सऊदी सड़क दुर्घटना पर मौलाना खालिद रशीद ने जताया दुख

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में मुस्लिम धर्मगुरुओं ने सऊदी हादसे पर दुख जताया। सऊदी अरब में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें लगभग 45 भारतीय उमरा यात्रियों की मौत हो गई है। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों के यात्री शामिल थे। हादसा उस समय हुआ जब मक्का से मदीना जा रही एक बस मुफ्रिहात इलाके के पास एक डीजल टैंकर से टकरा गई। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि हादसा बेहद अफसोसजनक है। इन्होंने कहा कि इस हादसे में जितने भी भारतीय मरे हैं उन सब की खबर सुनकर हम सभी लोग सदमे में है। हादसे में बड़ी संख्या में बच्चों के साथ महिलाएं चपेट में आई हैं। उमरा के मुबारक सफर के दौरान यह हादसा हुआ जो अपने आप में दिल दहला देने वाला है। मौलाना ने कहा कि हम इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं और दुआ करते हैं कि रब परिवार वालों को दुख सहने की ताकत दे। मुफ्ती इरफान मियां ने कहा कि इस तरह के हादसे हमें अंदर से झकझोर देते हैं। सभी यात्री उमरा करने के लिए नेक सफर पर गए हुए थे। मगर ऐसा हादसा हुआ कि उमरा करने वाले उन तमाम लोगों के परिवारों में मातम छा गया। हम इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं ।दुआ करते हैं कि जिन लोगों की मौत हुई है उनके परिवार वालों को सब्र आ जाए। यह सभी लोगों के लिए दुख की घड़ी है। मानवता यही कहती है कि ऐसे समय में हम उन परिवार वालों के लिए और मृतकों के हित में दुआ करें साथ ही यह भी कामना करें कि भविष्य में ऐसा हादसा ना हो।

मंत्री संजय निषाद ने गोमती में मछलियां छोड़ीं, दावा– 2 लाख मत्स्य बीज डाले

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में लक्ष्मण झूला पार्क के पास गोमती रिवर फ्रंट में मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने मत्स्य बीज डाले। उनका दावा है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 2 लाख मछलियां डाली गईं। इस दौरान एक वाकया सामने आया जिसमें मंत्री के मछली डालते ही कई मछलियां उतराने लगीं। मौके पर मौजूद मछुआरे भी बोले– पानी इतना गंदा है कि आधी तो इसी तरह मर जाएंगी। सोमवार को इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री संजय निषाद के साथ प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम और मत्स्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने पहले किनारे से और फिर नाव में बैठकर मछलियां गोमती में छोड़ते हुए जमकर फोटोशूट करवाया। इस दौरान गोमती पर अनगिनत मरी मछलियां उतराने लगीं। मंत्री ने भी कहा– नदियों में इनकी मोटिलिटी (गतिशीलता) 10: ही होती है। मंत्री संजय निषाद ने दावा किया कि पहले नदियों में मछलियों की मोटिलिटी 30 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 10 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि सरकार मछुआरा समाज के उत्थान के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। निषाद ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और प्रधानमंत्री मत्स्य बीमा योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि मछली पालन करने वाले किसानों को 5 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस कवर दिया जा रहा है।

अनाथ बाबा की तेरहवीं में मदद फाउंडेशन का नेक संकल्प, फुटपाथवासियों को भोज देकर निभाया मानवीय कर्तव्य

प्रयागराज। समाज के अंतिम पायदान पर जीने वाले एक अनाथ बुजुर्ग की अचानक मौत के बाद भी मदद फाउंडेशन ने उनका साथ नहीं छोड़ा। 80 वर्ष से अधिक आयु के इस बुजुर्ग बाबा, जो फुटपाथ पर जीवन बिताते थे, की आत्मा की शांति के लिए संस्था ने रविवार को शोक सभा और तेरहवीं भोज का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रयागराज के प्रसिद्ध पत्थर गिरजाघर के पीछे वाले फुटपाथ पर आयोजित किया गया, जहां आसपास के निराश्रित फुटपाथवासियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। यह नेक काम संस्था के मानवीय दृष्टिकोण का जीता–जागता उदाहरण बना।

बाबा पिछले साढ़े तीन वर्षों से मदद फाउंडेशन की कृपा के पात्र थे। संस्था की टीम उन्हें निःशुल्क भोजन, पानी, चिकित्सा सुविधा और कपड़े उपलब्ध करा रही थी। एक रात अचानक उनके निधन की खबर मिलते ही फाउंडेशन ने दाह संस्कार से लेकर तेरहवीं तक की सारी जिम्मेदारी खुद संभाली।

कार्यक्रम पत्थर गिरजाघर के पीछे वाले फुटपाथ पर निर्धारित समय पर शुरू हुआ। आसपास के फुटपाथवासी निराश्रितों को आमंत्रित कर सबसे पहले दिवंगत बाबा की फोटो पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कराई गई। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद शोक सभा में भाग लेने वाले सभी ने बाबा के जीवन की सादगी और संघर्ष को याद किया। तेरहवीं भोज में फुटपाथवासियों को भोजन परोसकर संस्था ने एक संदेश दिया कि कठिनाइयों में भी मानवता का बंधन कभी टूटना नहीं चाहिए।

संस्था के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया, ष्हमारी टीम पिछले कई वर्षों से श्रविवार की रसोईश की माध्यम से फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रितों को निःशुल्क भोजन और पानी वितरित करती है। इनके स्वास्थ्य संबंधी सभी समस्याओं का समाधान भी हम ही करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रयागराज जिले का पहला ऐसा कार्यक्रम है जिसमें किसी फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रित व्यक्ति के दिवंगत हो जाने के बाद उसका क्रिया कर्म और तेरहवीं किसी संस्था द्वारा किया गया। समाज के निचले पायदान पर बैठे हर उस व्यक्ति के लिए हम कार्यरत हैं, जिनका इस दुनिया में कोई सहारा नहीं। मदद फाउंडेशन ऐसे निराश्रितों के लिए सदैव खड़ा है।

संस्था के जिलाध्यक्ष अरविंद पांडेय ने कहा, ष्हमारी संस्था के माध्यम से आज हम सभी यहां एकत्रित होकर बाबा की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा और तेरहवीं भोज का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रितों को आमंत्रित किया गया, जिनके हाथों बाबा की फोटो पर पुष्प चढ़वाकर प्रार्थना की गई।ष वहीं, प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह ने जोर देकर कहा, ष्यह कार्यक्रम समाज को यह संदेश देता है कि जिनका कोई नहीं, उनके लिए मदद फाउंडेशन हमेशा खड़ा रहेगा। हमारा मिशन है कि कोई भी जरूरतमंद अकेला न महसूस करे। मदद फाउंडेशन की यह पहल न केवल एक अनाथ बुजुर्ग को सम्मान देने का माध्यम बनी, बल्कि समाज में करुणा और एकजुटता का प्रतीक भी। संस्था का यह प्रयास भविष्य में और अधिक निराश्रितों को प्रेरित करने वाला साबित होगा।

उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक पं कैलाश नाथ तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी एवं मदद फाउंडेशन के मार्गदर्शक दिनेश तिवारी, अवधेश निषाद, राष्ट्रीय महासचिव अमृता तिवारी, आशुतोष सिंह, संतोष तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह, प्रदेश महामंत्री हेमंत दुबे, जिलाध्यक्ष अरविंद पांडेय, जिलाध्यक्ष गंगापार आदर्श पाठक सहित दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गेंदा पावन फूल

गेंदा पावन फूल है,गुण से है संपन्न।
जिसकी हर इक पंखुरी, सबको रखे प्रसन्न।
सबको रखे प्रसन्न, सभी का साथी बनकर।
निर्धनता कर दूर, बाँटता दौलत भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता कभी झमेला।
दुखिया की सुन बात, उसे सुख देता गेंदा।।

गहरा अर्थ समेट कर, रखे कबीरी भाव।
कहते हैं गेंदा उसे, दूर करे भटकाव।
दूर करे भटकाव, फूल हैं जिसके सुन्दर।
औषधि के ही साथ, रखे जो खुशबू अन्दर।
सुन लो कहें प्रदीप, पढ़ाकर प्रेम–ककहरा।
दुख करता है गौण, समीक्षा करके गहरा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दोहों के विचारों में पर्वत जैसी ऊँचाई है–अनवार अब्बास

प्रयागराज। साहित्यिक संस्था ' उर्दू हिन्दी संगमश के तत्त्वावधान में बेंगलुरु के वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञानचन्द 'मर्मज्ञश के दोहा संग्रह 'आरोहीश की समीक्षात्मक चर्चा तथा कवि–गोष्ठी का आयोजन ताहिरा हाउस, अहमदगंज, प्रयागराज में किया गया जिसकी अध्यक्षता मारूफ उस्ताद शाइर अनवार अब्बास 'अनवारश्ने किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मी ' 'विभाश्तथा विशिष्ट अतिथि ,दोहाकार डॉ० प्रदीप चित्रांशी रहे। संचालन

शाइरा संगीता श्रीवास्तव सुमन ने किया।कार्यक्रम के संयोजक नवाब जाफर अस्करी ने स्वागत एवं आभार प्रकट किया। पुस्तक परिचर्चा में डॉ० प्रदीप चित्रांशी ने पुस्तक के नाम 'आरोहीश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पुस्तक का नामआरोही रखकर कवि ने पुस्तक की सार्थकता का बयान किया है क्योंकि कृति में वर्णिक उपशीर्षक क्रमशः वन्दना से शुरू होकर धर्म–अध्यात्म प्ठहरता है। इसके बीच में परिवार, समाज एवं राजनीति आदिक विषयों को गम्भीरता से अपने अंतस में समाए हुए दिखाई देते है। विजयलक्ष्मी विभा ने कहा कि आरोही में कवि के द्वारा पिरोये गये दोहो के माला की मोती विविध भावों और विषयो को आत्मसात करके पाठक या श्रोता के मष्तिक को प्रभावित करके उन्हें चिन्तन के लिए विवश करते हुए दिखाई देते हैं। अनवार अब्बास अनवार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में दोहे की अर्थ सहित व्याख्या करते हुए कहा कि प्रत्येक दोहे भाव और विचार को पूर्णता के साथ अभिव्यक्त करने में सक्षम हैं। दोहो में प्रवाह है, गहराई है और पर्वत जैसी विचारों की ऊँचाई विद्यमान है। सुनील दानिश, अशोक कुमार श्रीवास्तव कुमुद, सुलेमान, शाहिद अस्करी आदिक ने भी अपने–अपने विचार रखे। विचार गोष्ठी के बाद कवि–गोष्ठी शुरू हुई जिसमें मिर्जा राहिब, जाफर अस्करी, संगीता सुमन,, सुनील दानिश, अशोक श्रीवास्तव कुमुद, डॉ प्रदीप चित्रांशी, विजय लक्ष्मी विभा, अनवार अब्बास आदिक कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं का दिल गुदगुदाया।

बाबा भयहरण नाथ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक संपन्न

5 दिसंबर को होने वाले वार्षिक अधिवेशन के आयोजन की रणनीति तय

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन धार्मिक, ऐतिहासिक व पर्यटक स्थल भयहरण नाथ धाम के प्रबन्ध समिति की बैठक हुई। बैठक में विश्व स्वयं सेवक दिवस पर गत वर्षो की भाँति भव्यता से वार्षिक अधिवेशन मनाया जाना तय हुआ। तय हुआ की धाम के 25 वर्ष पूर्ण होने पर धाम के इतिहास , खंड काव्य के साथ साथ अभी तक की प्रमुख गतिविधियों व आयोजनों तथा प्रगति व प्रमुख आदेशो को समाहित कर श्री भयहरण नाथ धाम महाग्रंथ के प्रकाशन का निर्णय लिया गया।

धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के प्रबन्धन समिति की बैठक व स्थलीय भ्रमण व निरीक्षण हुआ। महासचिव समाज शेखर ने उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र व संरक्षक हीरा लाल के साथ धाम परिसर का भ्रमण कर सभी व्यवस्था का जायजा लिया। मेला व मंदिर परिसर में निरंतर साफ सफाई हेतु संबंधित मंदिरों के पुजारी व व्यवस्था समितियों के साथ साथ स्वच्छता नायक के कार्यो की सराहना करते हुए निरंतर स्वच्छता बनाये रखने की अपील की। तदोपरांत मुख्य शिवलिंग का पूजन प्रबन्ध समिति सदस्यों व धर्म पत्नी प्रीति समाज के साथ किया।

धाम की गतिविधियों में जन सहयोग व लोक भागीदारी को और सुव्यवस्थित करने हेतु शीघ्र ही पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार सभी के सहयोग व सहभागिता से भयहरण नाथ धाम सामाजिक विकास ट्रस्ट के गठन का प्रस्ताव अध्यक्ष ने रखा जिस पर तय हुआ की 2015, 2018 व 2022 व उसके पश्चात अभी तक हुए सभी निर्णय को ध्यान में रखकर योजना को मूर्त स्वरूप दिया जाए। मुख्य मंदिर की बारदारी व प्रशासनिक कार्यालय को दुरुस्त करने हेतु प्रबन्ध समिति द्वारा तय योजना को प्रभावी बनाने हेतु अध्यक्ष राज कुमार व उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को जिम्मेदारी दी गई। वार्षिक अधिवेशन हेतु सदस्यों को घर घर सूचना देने की हेतु प्रबन्ध समिति सदस्यों को जिम्मेदारी देते हुए सभी से अनिवार्य रूप से प्रतिभाग की अपील की गई। कार्यक्रम को अंतिम रूप देने और कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी महासचिव समाज शेखर को दी गई। इस अवसर पर काउंटर लगाकर सदस्यता ग्रहण व नवीनीकरण कार्य व स्थाई परिचय पत्र हेतु फार्म स्वीकार किये जायेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल, उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष संगठन अमर बहादुर सिंह, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, प्रबन्ध समिति सदस्य अनिल मिश्र सोनू, धीरेंद्र शुक्ल, जय प्रकाश सिंह, अंतिमा मिश्रा तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम शामिल रहे।

ईसीसी के शिक्षकों ने डीन कॉलेज को ज्ञापन दिया

प्रयागराज। ऑक्टा अध्यक्ष प्रो एस पी सिंह के नेतृत्व में ईसीसी के शिक्षकों ने ईसीसी के शिक्षकों की रुकी हुई पदोन्नति के संदर्भ में डीन, कॉलेज डेवलेपमेंट प्रो नरेन्द्र कुमार शुक्ला को ज्ञापन दिया। इस संदर्भ में एक पत्र पहले ही आक्टा 10 नवंबर को कुलपति को भेज चुका है। ईसीसी के लगभग 40 असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षकों की एकेडमिक लेवल 10 से एकेडमिक लेवल 11 में पदोन्नति के अनुमोदन की फाइल लगभग एक वर्ष से अधिक समय से विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति के अनुमोदन हेतु पड़ी हुई है। जबकि पूरी प्रक्रिया में लगातार विलम्ब के कारण उक्त सभी शिक्षकों का एकेडमिक लेवल 11 से एकेडमिक लेवल 12 में भी पदोन्नति की अर्हता पूरी होने को है! ईसीसी के तीन विषयों गणित, भौतिक विज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तीन शिक्षकों का एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञों को संस्तुत करने की फाइल एक वर्ष से अधिक समय से लंबित है। उन सभी तीन शिक्षकों का एसोसिएट प्रोफेसर पद पर करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नति में 7 से 8 वर्षों का विलंब हो चुका है। विश्वविद्यालय ईसीसी के साथ लगातार भेदभाव कर रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह सभी शिक्षकों को हतोत्साहित करने वाली और आर्थिक रूप से चोट पहुंचाने वाली बात है! ईसीसी में शिक्षकों की भर्ती भी रुकी हुई है, जबकि शिक्षकों के लगभग 50: पद रिक्त हो चुके हैं। सभी शिक्षकों ने इस मुद्दे पर क्षोभ और आश्चर्य व्यक्त किया है। विश्वविद्यालय की लगातार उपेक्षा के कारण शिक्षक हताश, निराश और आक्रोशीत हैं। ऑक्टा अध्यक्ष डॉ एसपी सिंह ने कहा कि ऑक्टा लगातार इन मुद्दों को उठती रही है परंतु अभी तक इस पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है।शिक्षकों के कार्य में विलंब होना अत्यंत दुखद है। शिक्षकों की इन समस्याओं का अति शीघ्र निस्तारण किया जाए नहीं तो ऑक्टा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। प्रतिनिधिमंडल में डॉ प्रेम प्रकाश सिंह, डॉअरुणोय मिश्रा,डॉ उमेश कुमार यादव, डॉ प्रशांत खंडई सहित अनेक शिक्षक सम्मिलित थे।

सम्पादकीय.....

भाजपा–विरोधी मोर्चा बनाने में जुटी कांग्रेस

2026 में होने वाले असम विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस की असम इकाई और 7 अन्य राजनीतिक दलों ने राज्य में भाजपा–विरोधी मोर्चा बनाने के मुद्दे पर सहयोग किया है। यह निर्णय कांग्रेस द्वारा बुलाई गई एक बैठक के दौरान लिया गया, जिसमें रायजोर दल, असम जातीय परिषद, आंचलिक गण मोर्चा, सी.पी.एम., सी.पी.आई., सी.पी.आई. (एम.एल.) और ए.पी.एच.एल.सी. के नेता शामिल हुए। ऑल इंडिया यूनाइटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट विशेष रूप से अनुपस्थित रहा। ए.आई.सी.सी. महासचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्षी ताकतें हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के अन्याय के खिलाफ एकजुट हुई हैं और राज्य में एक नई जन सरकार बनाने का संकल्प लिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कमतर आंकने की कोशिश की। महाराष्ट्र कांग्रेस ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए छोटे दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला कियारू महाराष्ट्र कांग्रेस ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को छोड़कर, छोटे और समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। कांग्रेस लगातार यह दावा कर रही है कि महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के उसके प्रमुख सहयोगियों शिवसेना (यू.बी.टी.) और एन.सी.पी. (एस.पी.) के साथ उसका गठबंधन बरकरार है। कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी के जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को सहयोगियों से परामर्श के बाद गठबंधन पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है और उनके निर्णयों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेताओं के पास राज्य–स्तरीय व्यापक गठबंधन की बजाय क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार रणनीतिक समझ है और बेहतर होगा कि वे इसे अपनाएं। एम.वी.ए. सहयोगियों की संयुक्त बैठक, जिसमें समन्वय समिति की घोषणा की गई, में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल, एन.सी.पी. (एस.पी.) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे और शिवसेना (यू.बी.टी.)के एम.एल.सी. अनिल परब सहित अन्य पार्टी नेता शामिल हुए। समन्वय समिति में गठबंधन के प्रत्येक सदस्य के प्रतिनिधि शामिल होंगे और उम्मीदवारों को लेकर मतभेदों को सुलझाएंगे। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महा विकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा होगी या नहीं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मनसे को एम.वी.ए. में नए सहयोगी के रूप में शामिल करने का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल.संतोष की बंद कमरे में भाजपा विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठकरू भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल.संतोष ने पूर्वोत्तर समन्वयक संबित पात्रा के साथ इंफाल स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में भाजपा विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बंद कमरे में हुई इस बैठक में पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के भाजपा विधायकों ने भाग लिया, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह और राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा शामिल थे। हालांकि, कुकी समुदाय के विधायक विशेष रूप से अनुपस्थित थे। संतोष का यह दौरा जो 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने और भाजपा विधायकों द्वारा एक लोकप्रिय मंत्रिमंडल की बहाली के लिए दबाव बनाने के बाद पहला है,पार्टी द्वारा खुद को मजबूत और पुनर्गठित करने, साथ ही लोगों से फिर से जुडने और संभावित सरकार गठन की नींव रखने के लिए नए सिरे से किए जा रहे प्रयासों का संकेत देता है। बसपा पश्चिमी यू.पी. में मुस्लिम दलित तक बढने की योजना बना रहीरू बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पश्चिमी यू.पी. में मुस्लिम दलित तक बढने की योजना बना रही है। 6 दिसंबर को नोएडा में होने वाली एक सार्वजनिक बैठक के साथ यह बैठक होने की संभावना है। जबकि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यू.पी. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुरुवार को दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में पार्टी की इकाइयों की विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पहले संगठनात्मक समीक्षाओं के दौरान जारी किए गए निर्देशों के कार्यान्वयन का आंकलन करने पर जोर दिया गया, विशेष रूप से मतदान बूथ स्तर पर पार्टी संरचना को मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों में पार्टी के आधार का विस्तार करने के संबंध में।

विश्वव्यापी जनमानस की जुबान में गूंज रहा जुबिन गर्ग का नाम काम

असम के संतान बहुमुखी प्रतिभावान महान गायक कलाकार जुबिन गर्ग की विश्वव्यापी स्तर पर विशिष्ट बनी पहचान में विश्वभर के जनमानस की जुबान पर गूंज रहा है जुबिन गर्ग का नाम । आसाधारण बहुमुखी प्रतिभावान कलाकार ही नहीं असम की एक महान आत्मा स्वरूप है जुबिन । विश्वव्यापी परिचित जुबिन ऐसा नाम, जो हटाये हट नहीं सकता, मिटाए मिट नहीं सकता, अल्पावधि में वे अपने अंदर छुपी प्रतिभा की अलख जगाकर जनमानस के हृदयमन में अमिट छाप छोड़ गए है, वे काम, नाम में आजीवन अमर, अमिट रहेंगे । ज्ञात रहे बावन वर्षीय अपने जीवन के सफरनामे में गीत संगीत की दुनिया में 12 वाद्ययंत्र बजाने में पारंगत कलाकार थे, इन्ही में रमकर अपने कदम बढ़ाये, कहीं उससे अधिक बढ़कर सेवा कार्य में समर्पित कदम बढ़ाते गए । उनमें संगीत प्रेम की शिक्षा संग सेवाओ की परिभाषा भी दर्शा गए है । उनका जीवनकर्म यादगार मिसाल है ।। युग युगांतर तक जुबिन के सेवारत कर्मजीवन की गुणगाथा जनमानस में अनवरत की जाएगी । वे सफरनामे में सरलतम, कठोरतम, सँघर्षरत, कष्ट और त्याग आदि से परिपक्क होते रहे जबकि निरन्तर सभीजन के हृदयमन में स्पर्शी सन्देश भरते रहे।

उनका गीत संगीत से गहरा प्रेम नाता,गहरी निष्ठा लगन में उनकी रचना भी अत्यंत गहराईयो में एक गम्भीर अध्याय से भरी हुई थी । जुबिन युवा दिल की धड़कन यानि ष्हार्टथ्रोष् के रूप में परिचित थे । वे अपने गीत गायन में हरदम सेवाकर्म की भावना से जुड़े रहने की चाहत को दिल से करते, सदैव प्राथमिकता देकर उसी में संतुष्टि अनुभव किये । आज उनकी अनुपस्थिति में भी सेवाकर्म के किस्से सुनने, सुंनाने वालों की आंखे नम होते चहेते बिलख बिलख रो पड़ते है । जनमानस के दिल और दिमाग में जुबिन के प्रति एक अनूठी श्रद्धा जग चुकी है । वे सर्वधर्म, सर्वभाषा भाषी, सभी सम्प्रदाय, सभी जाति जनजाति आदि से घुलने मिलने के विचारो में रहे ।वे हृदयमन से मधुर आवाज देकर गीत गायकी का जादू छेड़ते रहे उसे जनमानस में हृदयस्पर्शी खरा उतार गए है । वे अपनी सुरीली आवाज में गीतों का एक अद्भुत अनमोल खजाना रचाते गए । वे जनमानस को सदा सदा के लिए भेंट कर गए है । इसकी संख्या प्रायः 38 हजार है । गायकी में जुबिन भाषाई गीतों में हैरान करने वाले रहे है । इसके चोंकाने वाले आंकड़े का रिकार्ड स्थापित कर दिए है । आश्चर्य कि बात यह है कि भाषाओं के ज्ञान की जुबिन में परिपक्वता थी । चालीस भाषा की मजबूत पकड़ में गायकी का जादू सुर लय में मधुर कंठ से गाकर उतार दिखाए है । गीत संगीत सेवाओं के जरिये वे आपसी प्रेमबन्धन समन्वय का शक्तिशाली रिकॉर्ड भी रच गए है । यह रिकॉर्ड सम्भवतः बहुत प्रतीक्षा में भी तोड़ पाना अब आसान काम नहीं है । मानव में मानवीयता बनी रहे, जीवनकर्म में निस्वार्थ भाव जगा रहे, स्वयं परोपकारिता में रहे, मन विचार सेवा में परिवर्तित रहे, ये महान विचार निश्वार्थ सच्ची साधना से प्राप्त होते है कहीं इससे ऊपर उठकर सेवा में समर्पित होना पड़ता है । जुबिन गर्ग उन्हीं गुणों व कार्यो की सराहना के महानता में अविरल उदाहरण है । इसमें एकाग्र व लीन रहे, अन्तर्मन में खुशनुमा रहे, जनमानस के दिल को सदैव जीतने के कार्य में एकग्रता बरतते रहे । जनमानस में जीवनकर्म की सेवाएं हृदयमन में बसी सदैव झलकती रहेगी ।

वे मानवतावादी सच्चे प्रेम की विचारधारा में पशुओं जीव जंतुओं प्राणियों और पेड़ पौधों के प्रति भी आत्मा से गहरा प्रेम रखते रहे । उनका जीवनकर्म मनगढ़त कहानी नहीं है, न ही मिथ्या परिचय, न ही उनकी काल्पनिक बातें । सदैव निडर भयरहित बोलने की साहसिकता रखते ।

उनका मानव, वन्य प्राणियों जीव जंतुओं, पर्यावरण, पेड़ पौधो से हमेशा अटुट गहरा सम्बन्धा रहता है । उनकी दृष्टि में समूचे परिवेश में जीवनकर्म का प्रेमबन्धन समझते । उसी अनुरूप जीवन व्यतीत करना अच्छा लगता था । जुबिन के बिल्कुल करीबी स्वयं कई गुणों को अक्सर देखते थे, वे आश्चर्यचकित रहते । जुबिन अपने कार्य की व्यवस्था में सक्रिय सुचारू पैनी नजर में आंखों के समक्ष नजर आने वाली सेवाओं को नजरअंदाज कभी नहीं किये । उसपर नजरें भी पैनी, प्रत्यक्ष रखे । किसी आलीशान सितारा रेस्टारेंट, होटल के विपरीत साधारण होटल रेस्टारेंट में बैठकर विश्राम करने, भोजन करने में ज्यादा आनन्दित रहे । फुर्सत के पलों में गम्भीरता में दिलचस्पी दिलस्पर्शी अनेको बातें करते जो देश समाज जाति जनजातियों धर्म, भाषा भाषियों आदि के अन्तर्मन में स्पर्श करती रही है । उनके मन की गम्भीर बातें गम्भीर विचार में विकार कभी नहीं रहे । किसी की दुःख वेदनाओं पर मरहम पट्टी लगातार लगाते गए, जरूरतमंद की आशा शतप्रतिशत पूर्ण करने में दिनप्रतिदिन जुटे रहे।

उनके पास जरूरतमन्दों की लम्बी कतार निरन्तर लगती । उनकी सेवाओ को पाकर मायूसी उदासी चेहरे में उत्साह की किरण झलक आती है । बीमारी का सहजता से इलाज होता, पढ़ने की गति में अवरोधा पैदा नही होता, गरीब बेसहारा के घर की जरूरत में हाथ बंटाने में सबसे बड़ी खुशी समझते।

ललित शर्मा, असम

बिहार चुनाव, महिलाएं मूक दर्शक नहीं, निर्णायक नेतृत्व कारी शक्ति

संजीव ठाकुर

पिछले कुछ चुनावों में बिहार में महिलाओं की मतदान भागीदारी बढ़कर एक निर्णायक शक्ति बन गई है। 2025 की विधानसभा चुनावों में, महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचीरू महिलाओं का मतदाताओं का प्रतिशत 71.6ः तक पहुंच गया, जबकि पुरुषों का यह आंकड़ा 62.8ः था। यह मतदाता समूह केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि वह अब उन नीतियों और वादों का केंद्र बिंदु बन गया है, जिन्हें राजनीतिक दल न सिर्फ चुनावी जीत के लिए, बल्कि दीर्घकालीन सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते हैं। विश्लेषकों के अनुसार, लगभग 47ः बिहार की कुल मतदाता संख्या महिलाएं हैं (करीब 3.5 करोड़), जो उन्हें बेहद महत्वपूर्ण चुनावी ताकत बनाती है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा बना लिया है। इसके तहत हर महिला को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिसे अनेक विश्लेषक "गेम–चेंजर" बताते हैं। इसके अलावा, लाखपति दीदी कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार के साधन और प्रशिक्षण दिए गए हैं। जदयू और भाजपा दोनों की नीतियों में 50ः आरक्षण पञ्चायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए और 35ः आरक्षण पुलिस भर्ती में प्रदान किया गया है। उस के साथ–साथ, जैविका स्व–सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की राह भी दी गई है, जिससे न सिर्फ गरीबी कम हो रही है बल्कि महिलाएं स्थानीय स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हो रही हैं। भाजपा जदयू की यह महिला–फर्स्ट रणनीति सिर्फ चुनावी वोट बैंक बनाने की बात नहीं है। यह उनकी लंबी राजनीतिक सोच का हिस्सा माना जा रहा है। नितीश कुमार ने तय–तौर पर महिलाओं को हिंदसा, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा के मंच पर आत्मनिर्भरता का अवसर दिया है, जिससे महिला मतदाता उनके प्रति नकल–निरपेक्ष भरोसा रखते हैं। महागठबंधन के लिए महिलाओं का समूह चुनौतीपूर्ण है। तेजस्वी यादव ने चुनावी समय में "माई बहिन मान योजना" की घोषणा की, जिसमें हर महिला को सालाना 30,000 रुपये देने का वादा किया गया था। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि यह वादा भाजपादृजदयू की पहले से चल रही और हो चुकी योजनाओं की तरह भरोसेमंद नहीं दिखा। इसके अलावा, विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को 10,000 रुपये भेजना "चुनावी स्टंट जैसा कदम है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने उन्हें केवल वोटर्स की श्रेणी से ऊपर उठाकर राजनीतिक निर्णायक शक्ति बना दिया है। अधिकांश सीटों पर महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से कहीं अधिक रहा, जिससे भाजपादृजदयू को रणनीतिक बढ़त मिली।बिहार में पारंपरिक तौर पर राजनीति जाति आधारित रही है। लेकिन महिलाएं अब एक नए "लिंग–आधारित राजनीतिक सक्रियता" को जन्म दे रही हैं, जो वादों को सिर्फ जातिगत नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और कल्याण–केंद्रित बनाती है। सिर्फ मतदान नहीं कृ महिलाएं स्व–सहायता समूहों, पंचायतों, और लघु उद्यमों के जरिए स्थानीय नेतृत्व में भी शामिल हो रही हैं, जिससे उनकी राजनीतिक और सामाजिक शक्ति दीर्घकालीन हो रही है। हालाँकि इस सब परिवर्तन में कुछ सीमाएँ और सवाल भी है। बहुत बड़ी मतदान शक्ति होने के बावजूद, भाजपा और जदयू ने महिला उम्मीदवारों को बहुत कम ऊँची–संभावित सीटों पर उतारा है। उदाहरण के लिए, दोनों पार्टियों ने सिर्फ लगभग 9ः सीटों पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष और विश्लेषक इस बात पर सवाल उठाते हैं कि क्या ये योजनाएँ वास्तव में महिलाओं की सशक्तिकरण की दिशा में हैं, या सिर्फ वोट खरीदने की रणनीति। आर्थिक सहायता और कल्याण योजनाएं तत्काल प्रभाव तो डाल सकती हैं, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या ये महिलाएं स्थिर स्वरोजगार, शिक्षा और सामाजिक स्वायत्तता की ओर निरंतर बढ़ती हैं, या केवल चुनावों के समय सक्रिय होती हैं।बिहार चुनावों में महिलाओं की भूमिका अब किसी पारंपरिक वोट बैंक से कहीं आगे निकलकर राजनीतिक परिवर्तन का घटक बन चुकी है। भाजपा और जदयू ने यह अच्छी तरह समझा है और महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण को अपनी रणनीति का केंद्र बनाया है। उनकी महिला–फर्स्ट योजनाओं ने न सिर्फ आर्थिक सुरक्षा दी है, बल्कि सामाजिक पहचान और राजनीतिक भागीदारी के नए रास्ते खोले हैं।वहीं, विपक्ष को महिला मतदाताओं तक पहुँचने के लिए सिर्फ वादों से कहीं गहराई में जाना होगा कृ उन्हें यह दिखाना होगा कि उनकी योजनाएं सिर्फ चुनावी आकर्षण नहीं, बल्कि दूरगामी सशक्तिकरण का माध्यम हैं। इस विकास की सबसे बड़ी मिसाल यह है कि बिहार की महिलाएं अब मूक दर्शक नहीं रह गई हैं, बल्कि निर्णायक नेतृत्वकारी शक्ति बन चुकी हैं। यह न सिर्फ बिहार की राजनीति की दिशा बदल रहा है, बल्कि यह भारत में महिला सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक भागीदारी की एक नई कहानी भी लिख रहा है। बिहार चुनावों में महिलाओं की सर्वोपरि भूमिका आज केवल मताधिकार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे राजनीति, समाज और राष्ट्र–निर्माण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। पिछले वर्षों में बिहार में महिलाओं की मतदान भागीदारी लगातार बढ़ी है और 2025 के चुनाव में तो इसने ऐतिहासिक स्तर छू लिया। पुरुषों की अपेक्षा कहीं अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर महिलाओं ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि उनकी आवाज अब राजनीति का अनिवार्य आधार है और सरकारों की नीतियाँ अब उनकी आकांक्षाओं, चुनौतियों और भविष्य की जरूरतों पर आधारित होंगी। इस बढ़ती जागरूकता ने बिहार की राजनीति के पारंपरिक समीकरणों को बदल दिया है, जहाँ जाति या स्थानीय समीकरणों से अधिक महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएँ निर्णायक सिद्ध हो रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में भाजपा और जदयू गठबंधन ने महिलाओं की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ऐसे कदम उठाए, जिन्हें सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर माना गया। नीतीश कुमार की सरकार वर्षों से पंचायती राज संस्थाओं में 50ः आरक्षण देकर महिलाओं को राजनीतिक निर्णयों के केंद्र में ला रही है। हजारों महिलाएँ ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और स्थानीय प्रशासनिक ढाँचों में नेतृत्व की भूमिकाओं में उभरकर सामने आई हैं, जिससे शासन–प्रणाली में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जनकल्याण की प्रवृत्ति को बल मिला है। बिहार पुलिस सहित अन्य सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35ः आरक्षण देकर राज्य ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसर प्रदान किए हैं। भाजपादृजदयू की विभिन्न योजनाएँ, जैसे मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, लाखपति दीदी अभियान, जीविका स्व–सहायता समूहों का विस्तार, शिक्षा के लिए साइकिल योजना और कन्या उत्थान कार्यक्रम, न केवल महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूत कर रहे हैं बल्कि उन्हें परिवार और समाज में निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान कर रहे हैं। इन योजनाओं का व्यापक प्रभाव यह हुआ कि बिहार की ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों की महिलाएँ आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और सम्मान से अपने जीवन को दिशा देने लगी हैं। इन प्रयासों के कारण महिलाएँ राजनीति में केवल वोट देने वाली जनसंख्या नहीं रहीं, बल्कि वे विकास मॉडल की प्रमुख संरचना बन गई हैं। बिहार के आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। स्वरोजगार, सूक्ष्म उद्योग, कृषि आधारित नवाचार, हस्तशिल्प, डिजिटल सेवाओं और शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। ग्रामीण बिहार की लाखों महिलाएँ जीविका समूहों के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं, बल्कि स्थानीय बाजारों, बैंकिंग प्रणालियों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

बिहार ने यह भी साबित किया है कि जब महिलाएँ आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं तो उनका परिवार, समाज और पूरा राज्य विकास की राह पर स्थिरता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ता है। महिलाओं का राष्ट्र निर्माण में योगदान केवल आर्थिक सशक्तिकरण तक सीमित नहीं है। शिक्षा और जागरूकता के विस्तार ने उन्हें सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और पोषण जैसे मुद्दों पर निर्णायक भूमिका निभाने का अवसर दिया है। बच्चों की शिक्षा, परिवार की स्वास्थ्य–सुरक्षा और सामाजिक मूल्यों की संरचना में महिलाएँ हमेशा से केंद्रीय भूमिका निभाती रही हैं। आज यही भूमिका राजनीतिक चेतना के साथ मिलकर बिहार के लोकतांत्रिक ढाँचे को और मजबूत कर रही है। बिहार की महिलाएँ अब योजनाओं की लाभार्थी भर नहीं हैं, वे निर्णयों की भागीदार बनी हैं। उनका दृष्टिकोण विकास को जमीन से जोड़ता है, उनकी जरूरतें नीति निर्माण को जनसरोकारों से जोड़ती हैं और उनकी सक्रियता बिहार को एक प्रगतिशील, संतुलित और समतामूलक समाज की ओर ले जा रही है। बिहार चुनावों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी राजनीतिक–सामाजिक मजबूत उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि वे राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण धुरी बन चुकी हैं।

अब पश्चिम बंगाल में गूंजेगा जंगलराज का मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में 1990–2005 के दौरान लालू यादव–राबड़ी देवी का शासन था। उनके ही शासन को जंगल राज कहा गया। दरअसल 5 अगस्त 1997 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने पहली बार बिहार में जंगलराज कहा था। पटना हाईकोर्ट ने तब कहा था– शबिहार में सरकार नहीं है, बिहार में जंगलराज कायम हो गया है। उस दौर में अपराध के बढ़ते ग्राफ और बाहुबलियों के दबदबे के कारण हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की थी। तब से समय–समय पर बिहार में यह गूंजता रहता है। बिहार में तो जंगल राज अब तकिया कलाम बन गया है। बात–बात में लोग जंगल राज का जिक्र करते हैं। पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी के 25 वर्ष बाद वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल के लिए पहली बार इसका प्रयोग हुआ है। संयोगवश बिहार के लिए इसका प्रयोग भी हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने ही किया था और अब बंगाल के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही इसका प्रयोग किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में 13 जनवरी 2023 को जस्टिस विश्वजीत बोस के सामने एक शिक्षक के तबादले का मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस ने कहा कि यह जंगलराज ही होगा कि जिसकी जो मर्जी, उसी के मुताबिक काम होने लगे। ऐसा नहीं चलेगा। जिस स्कूल में शिक्षक नहीं हैं, वहीं तबादला होगा। तबादले के बाद हफ्ते भर में शिक्षकों को ज्वाइनिंग देनी होगी। जंगलराज पर बात करने का ताजा संदर्भ यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचण्ड जीत के बाद नई दिल्ली में पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक जीत को बंगाल में भाजपा की सफलता का मार्ग बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में जंगलराज समाप्त करने का संकल्प व्यक्त किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बड़े मायने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव सभाओं में जंगल राज का मुद्दा जोर–शोर से उठाया। अब बारी पश्चिम बंगाल की है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च–अप्रैल में प्रस्तावित है। कांग्रेस से निकलीं ममता बनर्जी ने साल 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। 13 साल बाद 2011 में ममता बनर्जी ने पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल की। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में 34 साल पुराने लेफ्ट के किले को ढहाया था। इस चुनाव में टीएमसी को 184 सीटें मिली थीं। ममता बनर्जी पहली बार राज्य की सीएम बनी। 2016 में फिर से ममता ने जीत हासिल की। तब पार्टी को 211 सीटों के साथ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुई। 2021 में लगातार तीसरी बार टीएमसी ने जीत हासिल की थी। टीएमसी ने 215 सीटें जीती थीं। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी राज्य में जीत की हैट्रिक जड़ चुकी है। 2026 के चुनावों में टीएमसी का मुकाबला बीजेपी से होगा। पिछले डेढ दशक के टीएमसी के शासन में चुनावी हिंसा से लेकर, विपक्ष खासकर बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ हिंसा और हत्या, महिला शोषण व अत्याचार के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर मामले प्रकाश में आए हैं। ममता सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार निशाना साधती रही है। ममता सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हुए हें। पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने शिक्षक नियुक्ति में महा घोटाले को उजागर किया है। इसी मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री समेत कई अधिकारी आरोपी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तो सैकड़ों नियुक्तियां रद्द भी की हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट भी ममता सरकार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। संदेशखाली हो या फिर अभी हाल ही में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से बलात्कार का मामला प्रदेश सरकार के उदासीन रवैये और बयानबाजी से आमजन अंदर ही अंदर बेहद नाराज है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही। एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है। पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था। 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी ने राज्य में ममता बनर्जी को चुनौती देना शुरू कर दिया। 2016 के चुनाव में हालांकि बीजेपी को महज तीन सीटें मिलीं, लेकिन उसका वोट शेयर 4 फीसदी से बढ़कर 10 फ़ीसदी पर पहुंच गया। बीजेपी को पश्चिम बंगाल में असल कामयाबी 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली जब वो राज्य की 42 में 18 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं। लेकिन 2021 में ममता बनर्जी ने अपना किला बचाए रखा और राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 215 पर जीत दर्ज की. हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस को पछाड़ते हुए बीजेपी 77 सीटें जीतकर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपनी स्थिति मजबूत की और 42 में से 29 सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी को 6 सीटों का नुकसान हुआ और वह 12 सीटों पर सिमट गई। 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा–लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा भी थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर! बीजेपी पिछले लंबे समय से पश्चिम बंगाल में जंगलराज का मुद्दा उठाती रही है।

शर्लिन चोपड़ा

ने हटवाए 825 ग्राम के ब्रेस्ट सिलिकॉन, सर्जरी के बाद दिखाई तस्वीरें कहा, "अब...

एक्ट्रेस और मॉडल शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में अपने फैंस को अपनी हेल्थ से जुड़ी एक बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने ब्रेस्ट इम्प्लांट्स हटवाने (ब्रेस्ट एक्सप्लांट सर्जरी) का फैसला किया है। शर्लिन कई महीनों से शरीर में लगातार दर्द झेल रही थीं, जिसके बाद डॉक्टरों की सलाह पर उन्होंने ये सर्जरी करवाई। शर्लिन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर बताया कि वह अब सिलिकॉन–फ्री हो चुकी हैं। उन्होंने अपने ब्रेस्ट इम्प्लांट्स की फोटो भी दिखाई, जिनका वजन 825 ग्राम था। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा "सिलिकॉन फ्री!!! सर्जरी के बाद खुद को बहुत हल्का और बेहतर महसूस कर रही हूं। अब मैं रिकवरी पर ध्यान दूंगी।" एक वीडियो में शर्लिन ने अपने हटाए गए सिलिकॉन इम्प्लांट हाथ में लेकर बताया कि उन्हें ये सर्जरी क्यों करवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह फैसला उनके लिए कड़वा अनुभव था, लेकिन जरूरी भी। उन्होंने साफ कहा "कोई भी अनावश्यक बोझ लेकर मत जिए। दिखावट के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाना ठीक नहीं।" महीनों से झेल रही थीं पीठ, छाती और गर्दन का दर्द पीठ दर्द, छाती में दबाव, गर्दन में जकड़न, कंधों में दर्द जैसी समस्याएं लगातार हो रही थीं। कई डॉक्टरों से दिखाने के बाद पता चला कि इन सारी समस्याओं की जड़ उनके ब्रेस्ट इम्प्लांट थे। गायनोकोलॉजिस्ट और एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. ईशा नांदल के मुताबिक ब्रेस्ट इम्प्लांट शरीर पर भारी दबाव डालते हैं। इससे मांसपेशियों पर स्ट्रेन पड़ता है। समय के साथ नींद की समस्या, पीठ दर्द, और छाती में तनाव महसूस होता है।डॉक्टर्स का कहना है कि इम्प्लांट

> शर्लिन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर बताया कि वह अब सिलिकॉन-फ्री हो चुकी हैं। उन्होंने अपने ब्रेस्ट इम्प्लांट्स की फोटो भी दिखाई, जिनका वजन ८२५ ग्राम था। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा "सिलिकॉन फ्री!!! सर्जरी के बाद खुद को बहुत हल्का और बेहतर महसूस कर रही हूं। अब मैं रिकवरी पर ध्यान दूंगी।"

सिर्फ दिखावट नहीं बदलते, बल्कि शरीर के संतुलन और स्वास्थ्य पर भी बड़ा असर डालते हैं। शर्लिन ने अपने पोस्ट में उन डॉक्टरों का भी शुक्रिया अदा किया जिनकी मदद से उनकी सर्जरी सफल हुई। उन्होंने कहा "मेरी मेडिकल टीम ने मुझे फिर से नॉर्मल जिंदगी की ओर लौटाया है।"

मेरे सेफ प्लेस हो, बड़े सपोर्ट सिस्टम..मंगेतर के बर्थडे पर अंशुला कपूर का स्पेशल पोस्ट, रोहन संग पूल में मस्ती करती आई नजर

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। इसी साल अक्टूबर में उन्होंने रोहन ठक्कर संग सगाई की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। वहीं, आज अंशुला के मंगेतर का बर्थडे हैं। ऐसे मौके पर उन्होंने अपने पार्टनर को बेहद खास अंदाज में विश करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंशुला ने अपने इंस्टाग्राम पर मंगेतर संग कई अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें दोनों पूल में मस्ती करते, छुट्टियां मनाते और साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने अपने दिल की भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा–"तुम मेरे सेफ प्लेस हो,, मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम, मेरे फूड पार्टनर और मेरी जिंदगी का वो प्यार जिसने सब कुछ बदल दिया। तुम मेरी खुशियों को अपने जितना बड़ा मानकर सेलिब्रेट करते हो और मेरे मुश्किल वक्त में बिना पीछे हटे खड़े रहते हो। तुमने मुझे उस तरह समझा है, जिसकी मुझे कभी उम्मीद भी नहीं थी। हैप्पी बर्थडे, रोहन।" अंशुला द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में कपल की जबरदस्त बॉन्डिंग नजर आती है। कभी पूलसाइड मस्ती, कभी किसी शांत जगह पर क्वालिटी टाइम बिताते दोनों बेहद खुश दिख रहे हैं। साथ ही, कुछ तस्वीरों में दोनों को क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए भी देखा जा सकता है। फैंस को इनकी जोड़ी बेहद रियल और प्यारी लगती है। अंशुला और रोहन की लव स्टोरी काफी खूबसूरत रही है। रोहन ठक्कर पेशे से स्क्रीनराइटर हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने न्यूयॉर्क में कपूर खानदान की लाडली को रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया था। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दोनों ने गुजराती रीति–रिवाज से सगाई कर ली। इस खास मौके पर केवल परिवार के लोग ही मौजूद थे। सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिनमें अंशुला ब्लू कलर का खूबसूरत लहंगा पहने नजर आई थीं। अंशुला और रोहन ने 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। तब से वे अक्सर एक–दूसरे के साथ वेकेशन, डिनर डेट्स और स्पेशल मोमेंट्स की तस्वीरें शेयर करते रहे हैं।

राजामौली की 'वाराणसी' का टीजर हुआ वायरल, प्रियंका चोपड़ा बोलीं- ये सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है!

एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म वाराणसी का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी हो गया है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रियंका चोपड़ा ने टीजर शेयर करते हुए दर्शकों में उत्साह जगाया है, जिसमें हनुमान और श्रीराम की झलक के साथ–साथ महेश बाबू का रुद्र अवतार भी दिखाई दिया। यह फिल्म भव्य पौराणिक तत्वों और टाइम ट्रैवल के अनूठे मिश्रण का वादा करती है, जिसकी घोषणा राजामौली ने की है। इस समय प्रियंका चोपड़ा काफी सुर्खियों में है। दरअसल, प्रियंका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वाराणसी को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन बाहुबली व त्त्त के निर्देशक एसएस राजामौली कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने हैदराबाद में एक मेगा टीजर लॉन्च इवेंट का आयोजन किया है, जिसमें तमाम स्टार कास्ट और अन्य क्रू मेंबर्स शामिल हुए। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा समेत महेश बाबू, और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर जारी करके, दर्शकों में उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित एक भव्य ग्लोबट्रॉटर इवेंट में फिल्म का शीर्षक का आधिकारिक तौर पर खुलासा किया गया, जहां एक विशाल स्क्रीन पर टीजर भी दिखाया गया, जिसमें रुद्र के रूप में महेश बाबू का दमदार पहला लुक दिखाया गया। इस इवेंट के बाद फिल्म निर्माताओं ने टीजर ऑनलाइन जारी कर दिया है। कुछ ही देर पहले प्रियंका ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी, वाराणसी फिल्म का टीजर जारी किया है, एक छोटी सी झलक शेयर की है। प्रियंका ने कहा यह सिर्फ एक झलक है, अभी बहुत कुछ है।

टीजर की एक झलक

इस फिल्म के टीजर की शुरुआत वारणसी नगरी की भव्य झलक के साथ होती है। इसके बाद कई सारे ऋषि हवन करते दिखाई दिए है। इसी हवन की अग्नि से क्षुद्रग्रह जन्म लेता है, जो सीधा आसमान से अंटार्कटिका में बहती बर्फीली नदी में गिरता है। फिर इसके बाद अफ्रीका की झलक दिखाई गई है, जहां बहुत सारे जानवर दिख रहे हैं। यहीं एक वानर को दिखाने के बाद ही दिखती है हनुमान की झलक। फिर इसमें हनुमान को लंका जलाते हुए एक मोशन पोस्टर रुप दिखाया है। इसके अलावा, हनुमान जी को पर्वत उठाते हुए दिखाया गया है। टीजर में आगे दिखाया गया है वाराणसी का मर्णिकर्णिका घाट पर हाथ में त्रिशूल पकड़े रुद्र को। इस टीजर में महेश बाबू नंदी पर बैठे हुए है। महेश बाबू को रुद्र किरदार में देखते ही उनके फैंस में अलग उत्साह देखने को मिल रही है।

महेश बाबू रुद्र के दमदार किरदार में नजर आए

वाराणसी के टीजर में महेश बाबू का किरदार रुद्र की दमदार झलक देखने को मिली है, एक्टर खून से लथपथ त्रिशूल पकड़े और बैल की सवारी करते हुए दिखाया गया है। यह फिल्म एक समय–यात्रा पर आधारित भी लगती है, जहां टीजर के अंत में रुळसवइमज्तवजजमत और रुज्पउमज्तवजजमत दिखाई देते हैं। इसके बाद स्क्रीन पर श्एसएस राजामौली की वाराणसीश दिखाई देती है, जो आधिकारिक तौर पर फिल्म के टाइटल की पुष्टि करती है।

प्रियंका मंदाकिनी के किरदार निभा रही हैं

प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी का किरदार निभा रही हैं, जबकि पृथ्वीराज खलनायक कुंभा का किरदार निभा रहे हैं। दोनों के फर्स्ट लुक पोस्टर पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

प्रभास की फौजी भूले–बिसरे नायकों पर आधारित दो भागों वाली महाकाव्य होगी : हनु राघवपुडी

पिछले महीने, हमने बताया था कि प्रभास हनु राघवपुडी के साथ मिलकर फौजी नामक फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म में, जिसमें इमानवी भी हैं, प्रभास आज़ाद हिंद सेना के एक सदस्य के रूप में एक सैनिक की वर्दी में नज़र आएंगे, और यह फिल्म ऐतिहासिक घटनाओं का एक काल्पनिक पुनर्कथन है। यह आगामी फिल्म मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा समर्थित है। अब, एक आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार, सीता राम्म के निर्देशक ने पुष्टि की है कि फौजी दो भागों में रिलीज़ होगी। इस बारे में बात करते हुए, हनु ने कहा, हम इस फिल्म में प्रभास की एक दुनिया को चित्रित कर रहे हैं, और दूसरी किस्त एक अलग आयाम की खोज करेगी। इसमें हमारे औपनिवेशिक अतीत की प्रचुर सामग्री है – ऐसी कहानियाँ जिनका अंत दुखद रूप से हुआ, लेकिन किसी और वास्तविकता में वे परीकथाएँ हो सकती थीं। मैंने कुछ वास्तविक जीवन के अनुभवों को भी इसमें शामिल किया है जिन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रेरित किया है।

फौजी दो भागों में रिलीज़ होगी

टीम के अनुसार, फौजी दो भागों में रिलीज़ होगी, जो इसकी कहानी के विभिन्न पहलुओं को उजागर करेगी। टीम के अनुसार, यह फिल्म पीरियड ड्रामा शैली में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी और बाहुबली श्रृंखला में अपनी उपस्थिति के बाद से प्रभास की इस तरह की भूमिकाओं में वापसी का प्रतीक है। राघवपुडी ने पुष्टि की कि श्फौजीश दो भागों में आएगी, प्रत्येक का अपना अनूठा दृष्टिकोण होगा। जैसा कि एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है, निर्देशक ने बताया कि श्रृंखला की पहली फिल्म प्रभास के चरित्र के लिए एक नई दुनिया बनाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा, ष्हम इस फिल्म में प्रभास की एक दुनिया को दर्शा रहे हैं, और दूसरी किस्त एक अलग आयाम की खोज करेगी। इसमें हमारे औपनिवेशिक अतीत की प्रचुर सामग्री है – ऐसी कहानियाँ जिनका अंत दुखद रहा, लेकिन किसी और वास्तविकता में वे परीकथाएँ हो सकती थीं। मैंने कुछ वास्तविक जीवन के अनुभवों को भी इसमें पिरोया है जिन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रेरित किया है। मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, श्फौजीश को बैनर की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक बताया जा रहा है, जिसमें प्रभास, श्पुष्पाश के निर्माता और राघवपुडी के बीच सहयोग शामिल है। निर्देशक श्सीता राम्मश जैसी सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। श्फौजीश की टैगलाइन ष्एक सैनिक की सबसे बहादुर कहानीष है और यह बहादुरी और वीरता की एक भूली–बिसरी कहानी को जीवंत करने का वादा करती है। रचनात्मक टीम को उम्मीद है कि यह संयोजन विभिन्न पीढ़ियों के दर्शकों को आकर्षित करेगा, जिसमें दृश्यात्मक तमाशा भावनात्मक गहराई के साथ समाहित होगा। निर्देशक राघवपुडी ने कहा कि वह इस फिल्म को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, उन नायकों का एक उज्ज्वल, सकारात्मक चित्रण मानते हैं जिनकी कहानियाँ भले ही दुखद रूप से समाप्त हुईं, लेकिन फिर भी असाधारण हैं। उनका लक्ष्य इन ऐतिहासिक शख्सियतों के उत्थानकारी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना है, और ऐसे विषयों से जुड़े अक्सर गंभीर स्वर से हटकर। इस बीच, प्रभास श्स्पिरिटश, श्द राजा साहबश और श्कल्कि 2श सहित अन्य आगामी परियोजनाओं पर भी काम कर रहे हैं।

शिरडी के साईं बाबा के दरबार पहुंची बॉलीवुड की खल्लास गर्ल, दोनों हाथ जोड़ लिया ईशा कोप्पिकर ने लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड की खल्लास गर्ल यानी एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर न सिर्फ अपनी एक्टिंग से फैंस के दिलों पर राज करती हैं, बल्कि अपने लुक्स से भी सुर्खियां बटोरती हैं। वहीं, हाल ही में इस एक्ट्रेस ने शिरडी के साईं बाबा के दर्शन किए, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। फैंस ईशा की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। ईशा कोप्पिकर ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर कर लिखा–शिरडी गई... दिल भरा हुआ है, मन हल्का और ऊर्जा उज्ज्वल महसूस हो रही है। इन तस्वीरों में ईशा साईं बाबा का आशीर्वाद लेती नजर आ रही हैं और बाबा की भक्ति में मगन दिख रही हैं। इस दौरान वह पिंक कलर के अनारकली सूट में ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने ऊपर से ट्रस्ट की ओर से मिला पीला शॉल भी कैरी किया है। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रही हैं। करियर की बात करें तो ईशा कोप्पिकर ने अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से की थी।

बार-बार सूखता है मुंह? इसे बिल्कुल भी ना करें नजरअंदाज, हो सकती है ये बीमारी!

मुंह सूखना काफी आम बात होती है। ज्यादातर लोग इसको लेकर ज्यादा सोचते नहीं हैं। लेकिन इसे अनदेखा करना समस्या पैदा कर सकता है क्योंकि मुंह सूखना कई गंभीर बीमारियों की तरफ इशारा करता है। आइए जानते हैं मुंह सूखने की समस्या क्या है, यह क्यों होता है, इससे कौन सी बीमारियों के संकेत मिलते हैं और इससे बचने के क्या-क्या उपाय होते हैं...

मुंह सूखने की समस्या क्यों होती है

मुंह सूखने की समस्या तब होती है, जब लार ग्रंथियां लार बनाने का काम करना बंद कर देती हैं। इसे जेरोस्टोमिया कहा जाता है। लार बनना शरीर की एक जरूरी प्रक्रिया है। लार का काम दांतों के बैक्टीरिया से बनने वाले एसिड को खत्म करना होता है। इससे दांतों में कीड़े नहीं लगते हैं। यह खाना को निगलने में मदद करती है। जब मुंह सूखने लगता है, तब ये सारे फंक्शन्स प्रभावित होते हैं।

मुंह सूखने इन बीमारियों का हो सकता है इशारा

डायबिटीज

रूमेटाइट अर्थराइटिस

हाइपरटेंशन

एनेमिया

पार्किंसंस डिजीज

मुंह सूखने के कारण

डिहाइड्रेशन की वजब से मुंह सूखता है। कुछ एलोपैथिक दवाईयों की वजह से भी ऐसा हो सकता है। कैंसर में केमोथ्रेपी के चलते हो सकती है ये समस्या। पेट की खराबी की वजह से यह समस्या हो सकती है।

क्या होते हैं मुंह सूखने के लक्षण

मुंह से बदबू आना, खाना चबाने और निगलने में दिक्कत होना, लार का गाढ़ा होना, दांतों में कीड़े लगना, मुंह का स्वाद फीका पड़ना, और मसूड़ों में खुजली जैसी समस्याएँ एक-दूसरे से जुड़ी मौखिक स्वास्थ्य स्थितियाँ हो सकती हैं, जो अक्सर खराब ओरल हाइजीन, संक्रमण, पोषण की कमी या अन्य स्वास्थ्य कारणों से उत्पन्न होती हैं।

मिनटों में तैयार करें कुरकुरा केरल अनियन वड़ा, ये आसान रेसिपी करेगी सबको दीवाना

हम सभी को हर दिन एक जैसा नाश्ता करके बोरियत होने लगती है। ऐसे में अगर नाश्ते में कुरकुरा, नया और स्वाद से भरपूर कुछ खाने को मिल जाए, तो सुबह की शुरूआत खास हो जाती है। वहीं अगर साउथ इंडियन डिश की बात की जाए, तो सभी डिश स्वाद में एक से बढ़कर एक होती हैं। जिसको खाना हर कोई पसंद करता है। ऐसी ही एक डिश वड़ा है। खासकर केरल स्टाइल अनियन वड़ा। अनियन वड़ा न सिर्फ टेक्सचर और खुशबू में बल्कि स्वाद में भी लाजवाब होता है। ऐसे में अगर आप भी रोजाना एक ही तरह के नाश्ते से बोर हो चुकी हैं, तो आप सुबह के नाश्ते के लिए साउथ इंडिया का मशहूर केरल स्टाइल अनियन वड़ा बना सकती हैं।

ऐसे बनाएं केरल स्टाइल अनियन वड़ा

सबसे पहले 5 प्याज को खूब पतला और लंबा काट लें।

अब एक कटोरे में कटे हुए प्याज को डालें और इसमें एक चम्मच नमक डालें।

फिर इसमें एक छोटा चम्मच मिर्च पाउडर, 1 इंच अदरक, 2 मिर्च, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 2 बड़े चम्मच धनिया और कुछ करी पत्ते डालें।

इसके बाद कटोरे में 2 बड़े चम्मच बेसन, (कप मैदा और चुटकी भर हींग डालें।

इन सभी चीजों को अच्छे से मिलाएं और सुनिश्चित करें कि सभी सामग्री अच्छे से मिक्स हो गई है।

वहीं आवश्यकतानुसार मैदा डालें और मिश्रण अपने आकार का बनाएं।

अब हाथों पर हल्का तेल लगाकर वड़े को आकार दें और गरम तेल में मीडियम आंच पर तलें।

वहीं बीच-बीच में चलाते रहें और तब तक भूनें, जब तक वड़ा सुनहरा न भुन जाए।

जब वड़ा कुरकुरा और सुनहरा हो जाए तो इसको निकाल लें।

इस आसान तरीके से केरल स्टाइल अनियन वड़ा बनकर तैयार हो जाएगा।

टिप्स

बता दें कि प्याज को जितना हो सके उतना लंबा और पतला काटें।

वहीं मिश्रण में पानी नहीं डालना चाहिए।

वड़े में सौंफ डालना न भूलें।

मिश्रण में एक चम्मच सूजी या फिर चावल का आटा जरूर मिलाएं।

क्या सच में लकड़ी छूने से नहीं लगती बुरी नजर, क्यों कहते हैं लोग टच वुड

जब हम अपनी या अपने परिवार की सफलता, सेहत या खुशकिस्मती की चर्चा करते हैं, तो अक्सर पास में रखी लकड़ी को छूकर लोग कहते हैं टच वुड। लेकिन क्या सच में लकड़ी छूने से बुरी नजर नहीं लगती? आइए जानते हैं इसके पीछे की परंपरा, मान्यता और ज्योतिषीय दृष्टि।

बुरी नजर या ईवेल आई का डर केवल भारत में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में माना जाता है। इसके प्रभाव से बचने के लिए लोग कई उपाय और टोटके करते हैं। ज्वनबीॅववक कहना भी इन्हीं उपायों में से एक है। जब लोग अपनी या परिवार की किसी उपलब्धि, सफलता या खुशकिस्मती की चर्चा करते हैं, तो लकड़ी की किसी वस्तु को छूकर ज्वनबी ॅववक कहते हैं। इसका उद्देश्य है बुरी नजर या दुर्भाग्य से बचाव। वैज्ञानिक दृष्टि से इसका कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन परंपरा, मान्यता और ज्योतिष के अनुसार यह एक सकारात्मक और प्रतीकात्मक उपाय माना जाता है।

टच वुड कहने की परंपरा

लकड़ी छूकर टच वुड कहने का मूल विचार यह है कि लकड़ी में सकारात्मक ऊर्जा, स्थिरता और संरक्षण का भाव होता है। मान्यता है कि जब लकड़ी को छूकर टच वुड कहा जाता है, तो यह नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है और लोगों को मानसिक सुरक्षा और भरोसा देता है।

टच वुड कहने की शुरुआत

प्राचीन पैगन सभ्यताः प्राचीन पैगनों का मानना था कि पेड़-पौधों में देवी-देवताओं और बुरी आत्माओं का वास होता है। लकड़ी छूने से वे दैवीय शक्ति से जुड़ रहे होते हैं और बुरी आत्माओं से अपनी खुशकिस्मती बचा रहे होते हैं।

ईसाई धर्मः ईसाई धर्म में ईसा मसीह के क्रूस की लकड़ी को पवित्र माना जाता था। लोग लकड़ी को छूकर ईश्वर का आशीर्वाद मांगते थे और दैवीय सुरक्षा की कामना करते थे।

ज्योतिषीय दृष्टि

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि लकड़ी का संबंध मुख्य रूप से बृहस्पति (गुरु) और चंद्र जैसे शुभ ग्रहों से होता है।

बृहस्पतिः संरक्षण और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा।

चंद्रः भावनात्मक स्थिरता और मानसिक संतुलन से जुड़ा।

लकड़ी को छूना शुभ ग्रहों की ऊर्जा को आमंत्रित करने और नकारात्मक ऊर्जा को कम करने वाला प्रतीकात्मक उपाय माना जाता है। सच तो यह है कि लकड़ी छूने या टच वुड कहने से बुरी नजर का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन यह परंपरा, मानसिक विश्वास और प्रतीकात्मक सुरक्षा का प्रतीक जरूर है।

चेहरे पर चाहिए इंस्टेंट ग्लो ? हल्दी और मलाई का ये जादुई पेस्ट देगा दमकती त्वचा

पार्लर के महंगे फेशियल और केमिकल युक्त उत्पादों से थक चुकी महिलाएं अब अपनी बेजान त्वचा को हल्दी और मलाई के प्राकृतिक पेस्ट से नया निखार दे सकती हैं। यह घरेलू नुस्खा त्वचा को गहराई से पोषित कर उसे मुलायम और चमकदार बनाने में सहायक है। नियमित उपयोग से बिना किसी बड़े खर्च के स्किन पर प्राकृतिक ग्लो वापस पाया जा सकता है। महिलाएं अपने चेहरे के निखार के लिए न जाने क्या-क्या नहीं करती हैं। कुछ महिलाएं पार्लर जाकर महंगे-महंगे फेशियल और क्लिन-अप करवाती है, तो कुछ महंगे प्रोडक्ट खरीदकर का इस्तेमाल करती है। लेकिन एक समय के बाद उनकी त्वचा बेजान हो जाती है। अगर आप भी अपने चेहरे का ग्लोइंग बनाना चाहती हैं बिना किसी खर्च के, तो यह लेख आपके लिए है। अब आप हल्दी और मलाई के पेस्ट से सॉफ्ट और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। यह पेस्ट को नेचुरल तरीके से चमकदार बनाता है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं हल्दी और मलाई का पेस्ट।

हल्दी और मलाई का पेस्ट

स्किन के निखारने के लिए आप ने कई तामझाम अपनाएं होंगे, लेकिन आपको मनचाह रिजल्ट नहीं मिला होगा। अब आप अपनी त्वचा की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए मलाई और हल्दी का पेस्ट तैयार करें। इसे आप कम समय में घर पर ही तैयार कर सकते हैं।

हल्दी और मलाई पेस्ट के लिए सामग्री

– हल्दी

– मलाई

– गुलाब जल

हल्दी और मलाई पेस्ट बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप एक साफ कटोरी में ताजी मलाई बना लें।

– अब इसमें चुटकी भर हल्दी मिक्स कर लें और इन दोनों सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें।

– इस पेस्ट में गुलाब जल को भी डाल दें, आप चाहे तो गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

– गुलाब जल आपके हल्दी और मलाई वाले पेस्ट को खुशबूदार बना देगा और आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाएगा।

– इस पेस्ट को रात को सोने से पहले चेहरे पर जरुर लगाएं।

– हल्दी और मलाई के इस पेस्ट को आप कम से कम 40 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें।

– इसके बाद साफ पानी से चेहरे को धो लें और फेस मॉइस्चराइजर लगा लें।

– यह आपकी स्किन को ग्लोइंग के साथ ही मुलायम बनाएगा। इस पेस्ट को आप एक हफ्ते में कम से कम दो बार जरुर लगाएं।

– इस पेस्ट को आप गर्दन पर लगा सकते हैं। सर्दियों के लिए यह पेस्ट जादुई है, क्योंकि यह स्किन को मॉइस्चराइज करता है।

आपका धनिया हफ्तों तक रहेगा हरा-भरा और फ्रेश! सर्दियों में स्टोर करने का बेस्ट तरीका

हरा धनिया को हफ्तों तक ताजा और हरा-भरा रखने के लिए उसे धोने से बचें या धोकर अच्छी तरह सुखा लें, क्योंकि नमी पत्तियों को सड़ा देती है। एयरटाइट डिब्बे, अखबार, टिश्यू पेपर, पन्नी या एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करके फ्रिज में स्टोर करने से आप धनिया को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं। यह तरीका सर्दियों में धनिया को पीला होने से बचाता है और आपके किचन के लिए एक उपयोगी टिप है।

सर्दी का मौसम हो या गर्मी, हर सीजन में हरा धनिया खूब खाया जाता है। यह खाना को भी टेस्टी बनाता है। हर धनिया खाने से सेहत भी बढ़िया रहती है। यह सब्जी-दाल का स्वाद बढ़ाता है। हरा धनिया ज्यादातर लोग फ्रिज में स्टोर करके रखते हैं, जिससे ये हरी बनी रहे। सर्दियों के मौसम में कुछ ही दिनों में इसकी पत्तियां पीली होने लगती है। यदि आप भी हरे धनिया को खराब होने से बचाना चाहते हैं, तो इसे सही ढंग से स्टोर करना जरुरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे हरा धनिया को स्टोर कैसे करें।

बिना धोएं

बाजार से हरे धनिया लाने के बाद भूलकर भी उसे धोना नहीं चाहिए। धनिया धोने से पानी लगा रहता है और ये पत्तियां सड़ने लगती हैं। यदि आप धोते हैं, तो इसे सुखाकर ही रखें। वरना धनिया दो दिन के अंदर ही खराब हो जाएगा।

एयर टाइट डिब्बा

धनिया को आप एयर टाइट डिब्बे में बंद करके रख सकते हैं। एयर टाइट डिब्बे में हरी धनिया खराब नहीं होगी और पत्तियां पीली नहीं पड़ेगी।

अखबार

आप धनिया को अखबार में अच्छे से लपेटकर फ्रिज में रख सकते हैं। अखबार में नमी नहीं पहुंचती और ये धनिया को हरा-भरा रखेगा। धनिया को अखबार में लपेटकर पन्नी में रख सकते हैं।

टिश्यू पेपर

अखबार न हो, तो आप टिश्यू पेपर को धनिया के ऊपर लपेट सकते हैं। इससे आपका धनिया भी हरा बना रहेगा और इसे आप फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

पन्नी

हरे धनिया को आप पन्नी में बांधकर रख सकते हैं। ध्यान रहे है कि इसमेम पानी नहीं होना चाहिए। अगर पन्नी में पानी होगा, तो धनिया खराब हो जाएगी।

एल्युमिनियम फॉयल

हरे धनिया को हरा-भरा बनाकर रखने के लिए आप एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। एल्युमिनियम फॉयल में धनिया को अच्छे से लपेट लें और फिर इसको फ्रिज में स्टोर करके रख दें। आपका हरा धनिया कई हफ्तों तक हरा-भरा रहेगा।

संक्षिप्त

सरकारी बॉन्ड में भारतीय रिजर्व बैंक की हिस्सेदारी बढ़ी, एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की सरकारी प्रतिभूतियों में हिस्सेदारी पिछले एक साल में स्पष्ट रूप से बढ़ी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में आरबीआई की हिस्सेदारी बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गई, जो जून 2024 में 11.9 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की ओर से सरकारी बॉन्ड की होल्डिंग में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जबकि बैंकों की हिस्सेदारी में कमी आई है। इसके विपरीत, बीमा कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग स्थिर बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2026 तक हर महीने लगभग एक लाख करोड़ रुपये उधार लेने की उम्मीद है। इसमें मार्च के लिए केवल एक छोटी राशि निर्धारित है। साथ ही अपेक्षाकृत बड़ी स्टेट डेवलपमेंट लोन (एसडीएल) केंद्र सरकार की अल्पकालिक उधारी से प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी। इसके बावजूद, रिपोर्ट का मानना है कि बॉन्ड प्रतिफल सीमित दायरे में रह सकता है और आने वाले दिनों में इसमें उतार–चढ़ाव हो सकता है। हाल के महीनों में बैंक और म्यूचुअल फंड्स जहां जी–सेक के शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। रिपोर्ट में आरबीआई की विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप गतिविधि को भी रेखांकित किया गया है। केंद्रीय बैंक ने रुपये को अत्यधिक उतार–चढ़ाव से बचाने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए अपने मजबूत विदेशी मुद्र भंडार का इस्तेमाल किया। जून से अगस्त 2025 के बीच आरबीआई की ओर से लगभग 14 अरब डॉलर की नेट डॉलर सेल की गई, जिसके परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली से करीब घ1.2 लाख करोड़ की स्थायी तरलता निकल गई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार, जो जून 2025 में 703 अरब डॉलर था, अक्तूबर के अंत तक घटकर 690 अरब डॉलर रह गया। सोने और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) को छोड़कर, इसी अवधि में भंडार 30 अरब डॉलर घटकर 599 अरब डॉलर से 569 अरब डॉलर रह गया। रुपये में जारी कमजोरी के रुझान के बीच रिपोर्ट का आकलन है कि अगस्त के बाद भी आरबीआई का हस्तक्षेप जारी रहा होगा और अब तक यह आंकड़ा 14 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका होगा। मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक लगातार सक्रिय बना हुआ है।

रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 88.72 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 88.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशों में कच्चे तेल की कम कीमतों ने हालांकि भारतीय मुद्रा में तेज गिरावट को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.70 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 88.72 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.66 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.35 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 212.98 अंक या 0.25 प्रतिशत चढ़कर 84,775.76 अंक पर और निफ्टी 50.90 अंक या 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,960.95 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.84 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,968.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

टैरिफ के झटके से जापान की अर्थव्यवस्था पड़ी धीमी, जीडीपी विकास दर छह तिमाहियों में पहली बार नकारात्मक

नई दिल्ली। जापान की अर्थव्यवस्था जुलाई–सितंबर तिमाही में तेज गिरावट के साथ सिकुड़ गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ का असर जापानी निर्यात पर दिखा, जिससे देश की आर्थिक रफ्तार थम गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में जापान का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 1.8: घटा। तिमाही आधार पर जीडीपी में 0.4: की गिरावट दर्ज की गई, जो छह तिमाहियों में पहली बार आई आर्थिक संकुचन है। वार्षिक आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि तिमाही की यही रफ्तार पूरे साल जारी रहे तो अर्थव्यवस्था कैसी दिखेगी। हालांकि ताजा गिरावट बाजार की उम्मीदों से कम रही, जहां 0.6: की गिरावट का अनुमान था, वहीं वास्तविक गिरावट इससे छोटी रही। तिमाही के दौरान सबसे बड़ी मार निर्यात पर पड़ी, जो पिछली तिमाही की तुलना में 1.2: घट गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कई कंपनियों ने टैरिफ लागू होने से पहले जितना संभव हो सके उतना माल निर्यात कर लिया था। इससे पिछली तिमाही के निर्यात आंकड़े ऊंचे दिखे। वार्षिक आधार पर, सितंबर तक तीन महीनों में निर्यात में 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई। तीसरी तिमाही में आयात में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई। तिमाही के दौरान निजी खपत में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। टैरिफ जापान की निर्यात–निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका है। इसका नेतृत्व टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन जैसे शक्तिशाली वाहन निर्माता कर रहे हैं, हालांकि ऐसे निर्माताओं ने टैरिफ के प्रभाव से बचने के लिए पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन को विदेशों में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिका ने अब लगभग सभी जापानी आयातों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। पहले यह टैरिफ 25 प्रतिशत था। जापान को हाल ही में राजनीतिक अनिश्चितता का भी सामना करना पड़ा, जब तक कि अक्तूबर में साने ताकाइची प्रधानमंत्री नहीं बन गई।

भारत अब घर में शेर नहीं!: 13 महीने में देश में चार टेस्ट हारे, इससे पहले चार बार हमें हराने में लगे थे 11 साल

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम लंबे समय तक अपने घरेलू मैदानों पर अजेय मानी जाती रही है। स्पिन की विकेटें, मजबूत बल्लेबाजी और मैच को अपनी मर्जी से मोड़ देने की क्षमता, इन खूबियों ने दशकों तक विरोधियों को भारत में जीतने का सपना भी नहीं देखने दिया, लेकिन पिछले डेढ़ साल के आंकड़े बताते हैं कि हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत अब घर में शेर नहीं रहा, बल्कि घर में भी दबाव में टूटने लगी टीम का नया चेहरा दिखाई दे रहा है।

13 महीने में भारत की चार हार, बड़ी चेतावनी

16 अक्तूबर, 2024 से अब तक भारत ने घर पर छह टेस्ट खेले और इनमें से चार हारे हैं। कोच गौतम गंभीर की देखरेख में घर पर ही टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है। पिछले 13 महीने में हम घर पर जितने टेस्ट हारे हैं, उससे पहले उतने टेस्ट हारने में भारत को करीब 11 साल लगे थे। 16 अक्तूबर, 2024 से अब तक घरेलू टेस्ट में हार का दर 66.66 प्रतिशत है, जो 1932 से अब तक यानी भारत के टेस्ट इतिहास में सबसे खराब है। इस अवधि में भारत को घरेलू परिस्थितियों में अक्सर अपने ही बनाए पिचों का उल्टा प्रभाव झेलना पड़ा है। स्पिनर्स के खिलाफ खराब बल्लेबाजी ने भारत की बैटिंग को कई बार ध्वस्त किया है। जबकि भारत ने खुद ही घर पर लगभग सभी टेस्ट में स्पिन पिच की मांग की थी।

अगर इस दौर की तुलना पिछले वर्षों से करें, तस्वीर और भी चिंताजनक बनती है। एक जनवरी, 2013 से 15 अक्तूबर, 2024 तक यानी लगभग 11 साल में भारत ने घर में 53 टेस्ट खेले। इसमें उसने 42 जीते, सिर्फ चार हारे और सात ड्रॉ रहे। हार का दर सिर्फ 7.54 प्रतिशत। यानी भारत को घर में चार बार हराना विरोधियों के लिए दशक भर की मेहनत जैसा था। और अब उतने ही मैच भारत ने सिर्फ पिछले 13 महीनों में गंवा दिए। यह गिरावट न केवल टीम की तैयारी पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि घरेलू लाभ अब भारत के पक्ष में वैसा नहीं रहा जैसा पहले था।

2001 से 2012 के बीच भारत का घरेलू टेस्ट रिकॉर्ड भी संतुलित रहा। इस दौरान खेले गए 59 टेस्ट में भारत ने 29 जीते, नौ हारे और 21 ड्रॉ रहे। उस दौर में टीम का बदलाव बहुत बड़ा था, गांगुली युग से द्रविड़ युग और फिर धोनी युग

तक की यात्रा, गेंदबाजी में उतार–चढ़ाव, तेज गेंदबाजी में अनुभव की कमी भी थी, फिर भी भारत का हार प्रतिशत 15.25 फीसद था। आज की तुलना में तब का आंकड़ा चार गुणा बेहतर दिखता है, जबकि उस समय टीम की संरचना और मिलने वाली सुविधाएं आज जैसी मजबूत नहीं थीं।

भारत ने 1932 से लेकर 2000 तक कुल 179 घरेलू टेस्ट खेले। इसमें भारत ने 49 जीते, 42 हारे, एक टाई रहा और 87 मुकाबले ड्रॉ रहे थे। हार का अनुपात 23.46 प्रतिशत था। यानी वह दौर जब भारत टेस्ट क्रिकेट में सीखने की यात्रा पर था, तब भी टीम का प्रदर्शन वर्तमान 13 महीनों से बेहतर था।

तो आखिर टीम इंडिया ये गिरावट क्यों?

1. उल्टा पड़ा दांव: कम दिनों में जीत के लिए बनाई गई अत्यधिक स्पिन–सहायक पिचें अब खुद भारतीय बल्लेबाजों के लिए खतरा बन रही हैं। असमान उछाल और तेज टूटती सतहें विरोधियों जितना ही भारत को भी परेशान कर रही हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3–0 से हार में भी यही दांव उल्टा पड़ा था और टीम इंडिया ने उससे कुछ नहीं सीखा। टेस्ट चौंपियंस दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी वही गलती दोहराई।

2. कमजोर बल्लेबाजी: चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे जैसे मजबूत तकनीक और सॉलिड डिफेंस वाले खिलाड़ियों के जाने के बाद नई बैटिंग लाइन–अप अभी स्थिर नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड से जब टीम हारी थी तब रोहित शर्मा और विराट कोहली भी टीम में थे। ऐसे में टीम इंडिया को मध्यक्रम में ऐसे बल्लेबाज की कमी खल रही है, जो मैदान पर जम सके और गेंदबाजों को थका सके। पारी को संभालने वाले बल्लेबाजों की कमी बार–बार सामने आ रही है।

3. गेंदबाजी पर अत्यधिक निर्भरता: बुमराह, शमी, अश्विन और जडेजा, इनके दम पर भारत कई बार बच निकला है, लेकिन लगातार मैच जिताने का दबाव गेंदबाजों पर ही नहीं डाला जा सकता। एक समय भारत की मजबूती बल्लेबाजी हुआ करती थी और घरेलू पिचों पर जीत की वजह भी यही थी, लेकिन अब इसमें गिरावट देखने को मिल रही है। कोच गंभीर समेत टीम मैनेजमेंट का भरोसा इस बात पर है कि गेंदबाज मैच जिताते हैं और बल्लेबाज मैच बनाते हैं, लेकिन गेंदबाज तो अपना काम कर रहे, लेकिन बल्लेबाज मैच नहीं बना पा रहे।

4. रणनीति और टीम संयोजन में अस्थिरता: पिछले एक साल में भारत ने बार–बार टीम चुनी, पिच चुनी, रणनीति बदली, पर स्थिरता कहीं नहीं दिखाई दी। टीम में इस बीच कई प्रयोग हुए। कई खिलाड़ी आए और उन्हें एक सीरीज या मैच के आधार पर बाहर कर दिया गया। घरेलू टूर्नामेंट्स में अच्छा प्रदर्शन करने वालों पर भरोसा नहीं जताया गया। नंबर तीन पर पुजारा का रिप्लेसमेंट अब तक नहीं मिल सका है। वहां प्रयोग का दौर जारी है। छह खिलाड़ी अब तक अजमाए जा चुके हैं। साथ ही जब पिच स्पिनर्स की मददगार थी, तो चार स्पिनर्स को खिलाने का फैसला भी समझ से परे था। दक्षिण अफ्रीका ने तीन मुख्य स्पिनर्स के दम पर मैच जीता। पहले टीमें जीत नहीं तो मैच को ड्रॉ कराने पर भी ध्यान देती थीं, लेकिन अब जल्द से जल्द जीत दर्ज करने की चाहत से नुकसान पहुंचा है।

शमी को टीम में वापस लाओ, पहले टेस्ट में हार के बाद इस पूर्व कप्तान ने कोच गंभीर को दी सलाह

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को सलाह दी है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद टीम और कोच गंभीर की आलोचना की जा रही है। गांगुली ने अब कोच को सलाह देते हुए कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में शामिल करना चाहिए।

15 साल में पहली बार अपनी ही धरती पर दक्षिण अफ्रीका से हारा भारत

भारतीय टीम ने पहली पारी में 30 रनों की बढ़त ली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दम पर वापसी की और भारत को हराकर दो मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त ले ली। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई थी और उसने 123 रनों की बढ़त लेकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ऑलआउट हो गई।

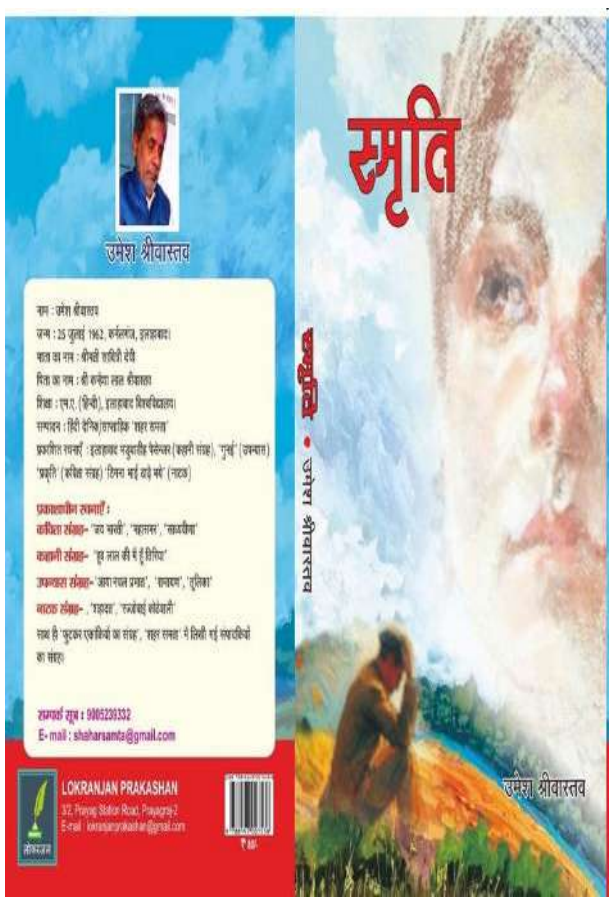

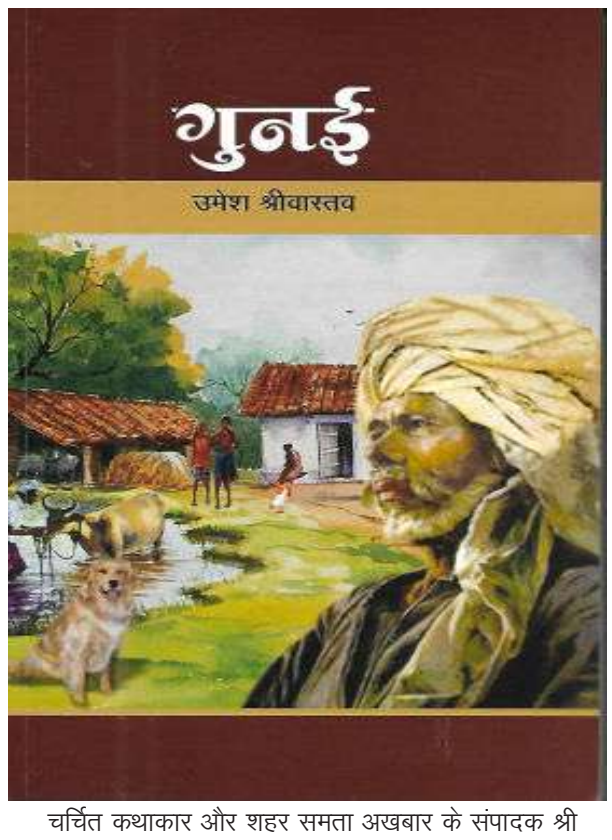

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

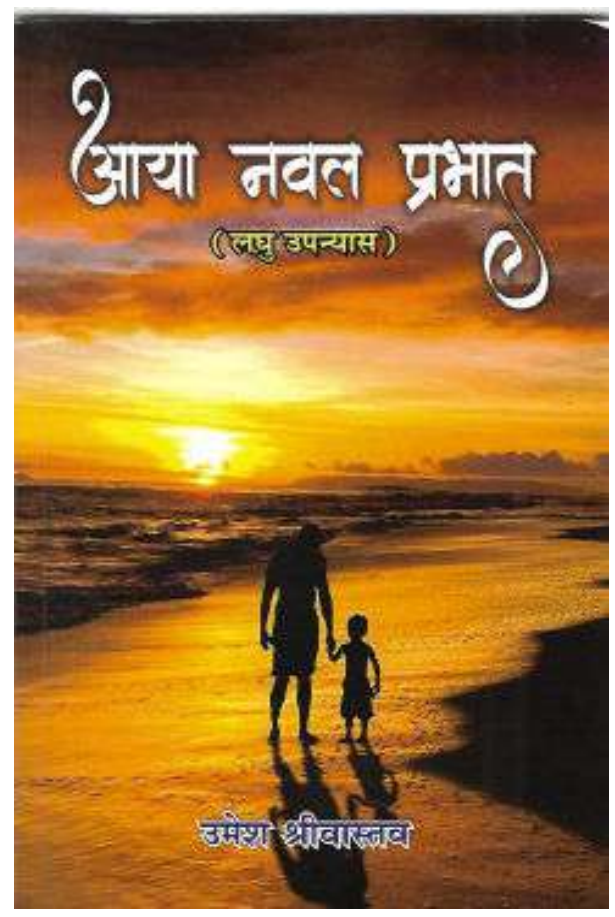

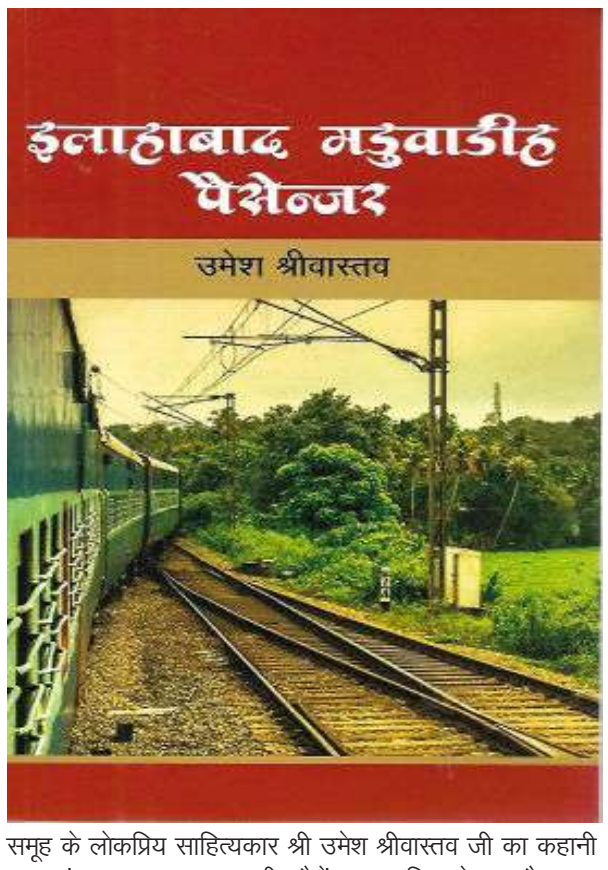

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

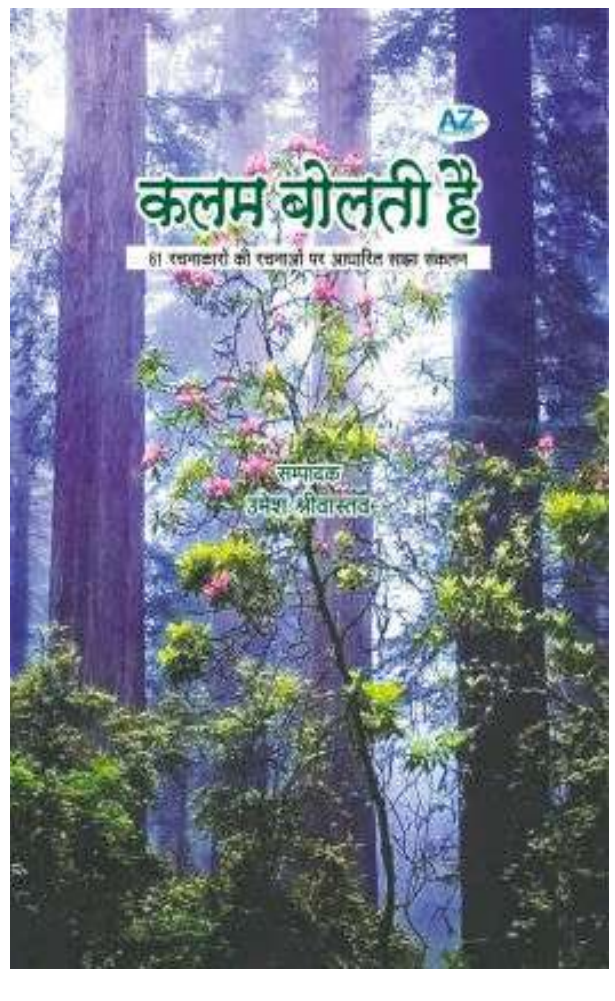

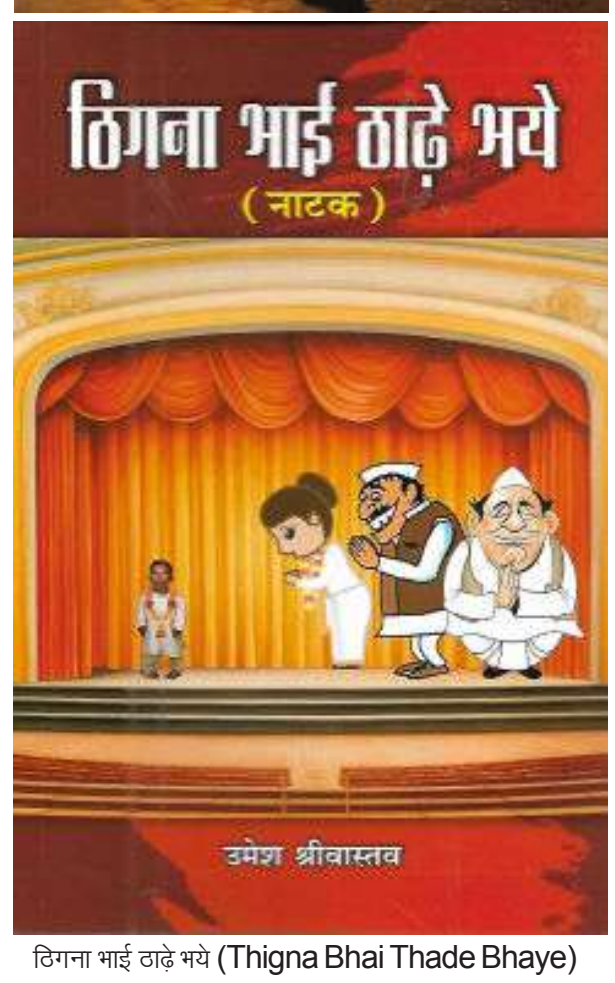

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा, कोर्ट में बजीं तालियां, पीड़तों के परिवार वाले रोने लगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण–1 (आईसीआर–1) ने जुलाई–अगस्त 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और हत्याओं के लिए मौत की सजा सुनाई। आईसीटी ने हसीना को मानवता के विरुद्ध अपराधों का दोषी ठहराया और महीनों तक चले मुकदमे का समापन किया, जिसमें उन्हें पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले एक विद्रोह पर घातक कार्रवाई का आदेश देने का दोषी पाया गया था। आईसीटी का कहना है कि अशांति के दौरान 1,400 लोग मारे गए और 24,000 घायल हुए। आईसीटी जज ने कहा कि जुलाई–अगस्त 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 1,400 लोग मारे गए और लगभग 24,000 घायल हुए। जज ने यह भी कहा कि शेख हसीना की सरकार ने प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए आग्नेयास्त्रों और हेलीकॉप्टरों सहित घातक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक हिंसा और तबाही हुई। आईसीटी के एक जज ने हसीना और दक्षिण ढाका नगर निगम के पूर्व मेयर के बीच कथित बातचीत को पढ़ते हुए कहा कि शेख हसीना ने प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए हेलीकॉप्टरों और घातक हथियारों के इस्तेमाल का आदेश दिया था।

शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंसा भड़काई?

आईसीटी जज ने यह भी कहा कि शेख हसीना ने रज़ाकार टिप्पणी करके हिंसा भड़काई और लोगों को देश का दुश्मन करार दिया। बांग्लादेश की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके खिलाफ आरोप तय करने के पर्याप्त आधार हैं। अदालत ने छात्रों की हत्या के लिए कथित तौर पर हिंसा भड़काने और 14 जुलाई की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई अपमानजनक टिप्पणियों का भी हवाला दिया।

हसीना ने बांग्लादेश छोड़कर भारत में ली शरण

हसीना उसी दिन बढ़ती अशांति के बीच बांग्लादेश छोड़कर भाग गईं और तब से भारत में रह रही हैं। माना जाता है कि कमाल ने भी भारत में शरण ले ली है। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन भारत ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। फैसले से पहले देश भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर शेख मोहम्मद सज्जात अली ने रविवार शाम को आगजनी, विस्फोट या पुलिस व नागरिकों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश में शामिल किसी भी व्यक्ति को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए।

संक्षिप्त

India US की सबसे बड़ी डील, हरदीप सिंह पुरी बोले- उज्ज्वला उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने के लिए एक साल का समझौता किया है। मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस घटनाक्रम को साझा किया और इसे देश के एलपीजी बाज़ार के लिए ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि एक ऐतिहासिक पहल! दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते एलपीजी बाज़ारों में से एक, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खुल गया है। भारत के लोगों को एलपीजी की सुरक्षित और किफ़ायती आपूर्ति प्रदान

करने के हमारे प्रयास में, हम अपनी एलपीजी आपूर्ति में विविधता ला रहे हैं। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने लगभग 2.2 मीट्रिक टन प्रति वर्ष एलपीजी आयात के लिए एक साल का समझौता सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते एलपीजी बाज़ारों में से एक के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, पुरी ने कहा कि यह नया समझौता देश के एलपीजी आपूर्ति में विविधता लाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मंत्री के अनुसार, भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अनुबंध वर्ष 2026 के लिए लगभग 2.2 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) एलपीजी आयात करने का अनुबंध किया है। यह मात्रा भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग 10 प्रतिशत है और इसे अमेरिकी खाड़ी तट से प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह भारतीय बाजार के लिए अमेरिकी एलपीजी से जुड़ा पहला संरचित दीर्घकालिक अनुबंध होगा। पुरी ने बताया कि इस खरीद को वैश्विक एलपीजी व्यापार के लिए एक प्रमुख मूल्य निर्धारण बिंदु माउंट बेल्वियू के बेंचमार्क पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की टीमों ने हाल के महीनों में प्रमुख अमेरिकी उत्पादकों के साथ चर्चा करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया था, जो अब सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है।

मिशेल ओबामा का बड़ा बयानः"अमेरिका अभी महिला राष्ट्रपति के लिए तैयार नहीं " – पूर्व प्रथम महिला ने बताई वजह

पूर्व अमेरिकी प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी कर काफी ध्यान आकर्षित किया है कि अमेरिका अब भी किसी महिला राष्ट्रपति के लिए तैयार नहीं है। मौजूद जानकारी के अनुसार, उन्होंने यह बात उस समय कही जब मंच पर उनकी नई किताब को लेकर बातचीत चल रही थी और चर्चा महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी पर भी पहुंच गई थी। बता दें कि इससे पहले हिलेरी क्लिंटन और कमला हैरिस दोनों ही राष्ट्रपति पद की दौड़ में असफल रही हैं, जिसे ओबामा ने एक बड़े संकेत के रूप में देखा है। उन्होंने साफ कहा कि "जैसा हमने हाल के चुनाव में देखा, अफसोस, हम तैयार नहीं हैं।" मिशेल ओबामा ने यह भी जोड़ा कि अब भी समाज के एक बड़े हिस्से में ऐसे पुरुष मौजूद हैं जो यह स्वीकार नहीं कर पाते कि कोई महिला नेतृत्व कर सकती है। गौरतलब है कि अमेरिका की राजनीति में लंबे समय से यह सवाल उठता रहा है कि आखिर देश पहली महिला राष्ट्रपति कब देखेगा। मिशेल ओबामा खुद लंबे समय से डेमोक्रेटिक पार्टी का एक मजबूत चेहरा मानी जाती हैं। हर चुनाव से पहले यह अटकलें तेज होती हैं कि क्या वह राष्ट्रपति पद की दावेदारी पेश करेंगी। लेकिन मौजूद जानकारी के मुताबिक, उन्होंने हमेशा इन अटकलों को खारिज किया है। 2016 में भी उन्होंने स्पष्ट कहा था कि "मैं राष्ट्रपति नहीं बनूंगी, बिल्कुल नहीं।" 2024 के चुनावों के दौरान भी उनके नाम को लेकर कई तरह के कयास लगाए गए थे, खासकर तब जब जो बाइडेन के प्रति मतदाताओं का असंतोष बढ़ रहा था और कमला हैरिस को डेमोक्रेट्स की ओर से प्रमुख चेहरा माना जा रहा था। मिशेल ओबामा ने हैरिस के लिए चुनाव प्रचार भी किया था और एक रैली में उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला करते हुए महिलाओं के अधिकारों पर बढ़ते खतरे को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप को वोट देना महिलाओं की सेहत और अधिकारों के खिलाफ वोट देने जैसा है। कुल मिलाकर, मिशेल ओबामा के इस बयान ने अमेरिका की राजनीतिक बहस को एक बार फिर तेज कर दिया है और इस सवाल को केंद्र में ला दिया है कि क्या दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र वास्तव में महिला नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है या नहीं हैं।

शेख हसीना के खिलाफ न्यायाधिकरण के फैसले से पहले बांग्लादेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

बांग्लादेश रविवार को देर रात हुए विस्फोटों और बढ़ती अशांति से दहल उठा, क्योंकि अधिकारी अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) के फैसले से पहले बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अब अमेरिका के पड़ोस में हथौड़ा लिए सड़कों पर उतरे जेन–जेड, प्रेसिडेंट को गद्दी से हटाने के लिए बेकाबू हुई जनता

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाडिया शायनबाम पर ड्रग कार्टेल के साथ मिलीभगत का जेन जेड आरोप लगा रहे हैं। शायनबाम ट्रंप के खिलाफ खुलकर बोलने के लिए मशहूर हैं। कार्लोस मांजो मिचोआकन के उरुआपान सिटी के मेयर थे। उन्होंने ड्रग कार्टल के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। आरोप है कि इसीलिए एक नवंबर को उनकी हत्या हुई।

नेपाल में जो जेंजी प्रोटेस्ट की शुरुआत हुई थी उसका लहर आपको दुनिया के कई हिस्सों में देखने को मिला। अलग–अलग देश में जो जेन–जेड हैं वो अपने मुद्दे को उठा रहे थे और अब तो यहां पर अमेरिका का जो पड़ोसी देश है मेक्सिको वो भी बच नहीं पाया है। बड़ी मात्रा में जेन–जेड सड़क पर उतर रहे हैं। मेक्सिको में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, सार्वजनिक हत्या औरा सुरक्षा की कमी के खिलाफ जेन जेड ने प्रदर्शन किया। पश्चिमी राज्य मिचो आकन (डपबीवंबद) के मेयर कार्लोस मांजो की गोली मारकर हत्या के बाद गुस्सा और भड़क गया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नैशनल पैलेस की सिक्योरिटी बैरिकेडिंग को भी गिरा दिया। पुलिस पर लाठी, जंजीर और हथौड़े से हमला हुआ। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। प्रदर्शन में 120 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 100 पुलिसकर्मी हैं। 20 प्रदर्शनकारियों को अरेस्ट किया गया है। जेन जेड उस पापुलेशन को कहते हैं जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है।

ड्रग कार्टेल से मिली हैं राष्ट्रपति

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाडिया शायनबाम पर ड्रग कार्टेल के साथ मिलीभगत का जेन जेड आरोप लगा रहे हैं। शायनबाम ट्रंप के खिलाफ खुलकर बोलने के लिए मशहूर है। कार्लोस मांजो मिचोआकन के उरुआपान सिटी के मेयर थे। उन्होंने ड्रग कार्टल के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। आरोप है कि इसीलिए एक नवंबर को उनकी हत्या हुई। आपको बता दें कि मेक्सिको में वन ऑफ द लार्जेस्ट यूथ ड्रिवन प्रोटेस्ट रीथसेंट इयर्स में आपको अभी देखने को मिलेगा। और जो डेमोंस्ट्रेशन है यह बेसिकली जजी के द्वारा जो जनरेशन जेड है उसके द्वारा लीड किया जा रहा है। और यह ऐसा नहीं है कि मेक्सिको की जो कैपिटल है मेक्सिको सिटी वहीं पर। इसके अलावा बहुत सारे मेजर सिटीज कई सारे स्टेट्स मेक्सिको के वो इसके चपेट में आ गए हैं। और स्पेशली मेक्सिको सिटी में तो सबसे बड़ा प्रोटेस्ट हो ही रहा है।

रात के अंधेरे में छुपकर युनूस छोड़ने वाले हैं देश ? बांग्लादेश में जेन–जेड फिर क्या तख्तापलट कर देंगे

बांग्लादेश एक बार फिर से आंदोलन की राह पर बढ़ता दिख रहा है और इस आंदोलन के दो बड़े कारण हैं। पहला शेख हसीना पर बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट का आने वाला फैसला और दूसरा बड़ा कारण यूनुस के कट्टरपंथी निर्णय हैं। जिसके बाद चर्चा तेज है कि क्या बांग्लादेश में जेन–जेड फिर से तख्तापलट करने वाले हैं? क्या बांग्लादेश में भागने वाले हैं कठपुतली मोहम्मद यूनुस? क्या दिल्ली से ही शेख हसीना ने ढाका में खेल कर दिया?

दरअसल यूनुस सरकार ने इस्लामिक समूहों के दबाव में आकर स्कूलों से संगीत यानी कि म्यूजिक और पीटी टीचर्स के पद को ही खत्म कर दिया। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मोहम्मद यूनुस के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश में एक बार फिर से छात्र विद्रोह यानी जजी विद्रोह की शुरुआत हो गई है। यूनुस सरकार की तरफ से म्यूजिक और पीटी टीचर्स के पदों को जब रद्द किया गया इसके बाद आक्रोश फैल गया है। छात्रों का कहना है कि बांग्लादेश की सांस्कृतिक पहचान पर हमला है। लोग मशाल लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन करने लगे। ढाका के कई इलाकों में विस्फोट हुए, झड़प हुई, लॉकडाउन तक की खबरें सामने आई। इससे बांग्लादेश में अशांति का माहौल एक बार फिर से गहरा रहा है। कट्टरपंथी समूहों के दबाव में अगर मोहम्मद यूनुस आ रहे हैं तो यह जंजीर को बात हजम नहीं हो रही है। और इस बढ़ते आक्रोश के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर लोकतंत्र कुचलने और अपनी सरकार में कट्टरपंथियों का मुख बखौटा बनने का आरोप लगाया। हसीना के मुताबिक मौजूदा अंतरिम प्रशासन, सांप्रदायिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी शक्तियों के प्रभाव में है। जो कट्टरपंथी सोच है उनके प्रभाव में है। जिन्होंने सरकार में घुसपैठ कर ली है। छात्रों ने हसीना की सत्तावादी नीति और जवाबदेही की कमी के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाया और उसके बाद शेख हसीना की सरकार गई वहां और यूनुस को अंतरिम मुख्य सलाहकार बनाए जाने का रास्ता तब साफ हुआ। तो उस समय पश्चिमी देशों और बांग्लादेशी सिविल सोसाइटी के कई हिस्सों ने इस कदम का स्वागत किया था। लेकिन अब स्थितियां, परिस्थितियां बिल्कुल पलट गई हैं। जैसे–जैसे ढाका और देश के बाकी हिस्सों में विरोध की लपटें फैल रही हैं। वही युवा वर्ग जो कभी बदलाव के लिए हसीना के खिलाफ था, अब यूनुस की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर मशाल लेकर उतर पड़ा है।

बम धमाकों से दहशत

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध मामले में सोमवार को सजा सुनाई जाने वाली है। फैसले से पहले ढाका में तनाव और बढ़ गया है। रविवार को राजधानी में कई जगहों पर देसी बम (क्रूड बम) विस्फोट होने की सूचना मिली। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इन धमाकों ने पहले से अस्थिर माहौल को और बेचौन कर दिया है। हसीना पर 2024 के मध्य में छात्र प्रदर्शनों पर कथित रूप से कठोर कार्रवाई का आदेश देने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। उन्हें अगस्त 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत में रह रही बताया जाता है। वे सभी आरोपों से इनकार करती हैं।

वियतनाम में पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन की चपेट में आई बस, छह यात्रियों की मौत; भारी बारिश जारी

वियतनाम में एक खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन की चपेट में आकर एक बस मलबे में दब गई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। मौसम विभाग ने सप्ताह भर भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है। सरकारी मीडिया के अनुसार, रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किलोमीटर लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है और पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, लेकिन बरसात के मौसम में भूस्खलन की घटनाएं आम हैं। भूस्खलन से बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री अंदर फंस गए। भारी बारिश के कारण दर्रे के दोनों ओर भूस्खलन होने से रास्ता बंद हो गया, जिसके चलते बचावकर्मियों को मौके तक पहुंचने में घंटों लग गए। बचाव दल आधी रात के बाद ही बस तक पहुंच सके। बस में 32 यात्री सवार थे, जो वियतनाम की आर्थिक राजधानी हो ची मिन्ह सिटी से दा लात होते हुए तटीय शहर न्हा त्रांग जा रहे थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। मीडिया के अनुसार, मुश्किल भूभाग के कारण दो शव मलबे में ही फंसे हुए थे। वियतनाम का मध्य क्षेत्र भारी बारिश से प्रभावित है, जिसे इससे पहले तूफान कलमाएगी ने भी नुकसान पहुंचाया था। बुधवार तक कुछ हिस्सों में 30 से 60 सेंटीमीटर, जबकि कुछ जगहों पर 85 सेंटीमीटर से अधिक बारिश होने की आशंका है। रविवार को ह्यू शहर के पहाड़ी इलाकों में भीषण बारिश से बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाले एक प्रमुख राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। वियतनाम दुनिया के सबसे अधिक बाढ़–प्रवण देशों में से एक है, जहां लगभग आधी आबादी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में रहती है।

मक्का से मदीना वाले रास्ते में 42 भारतीयों की मौत, ओवैसी ने विदेश मंत्री से की ये अपील

हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सऊदी अरब में मक्का से मदीना जा रही भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों से भरी एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख व्यक्त किया और केंद्र सरकार से शवों को वापस लाने का आग्रह किया। ओवैसी ने एएनआई को बताया कि उन्होंने रियाद स्थित भारतीय दूतावास में मिशन के उप प्रमुख अबू माथेन जॉर्ज से बात की है और हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से भी संपर्क किया है और यात्रियों का विवरण रियाद दूतावास और विदेश सचिव के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का शिकार हुई बस में 42 लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि मक्का से मदीना जा रहे 42 हज यात्री उस बस में सवार थे जिसमें आग

लग गई। मैंने रियाद स्थित भारतीय दूतावास में मिशन के उप प्रमुख (डीसीएम) अबू माथेन जॉर्ज से बात की और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे मामले की जानकारी जुटा रहे हैं। मैंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और यात्रियों का विवरण रियाद दूतावास और विदेश सचिव के साथ साझा किया है। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि मैं केंद्र सरकार, विशेष रूप से विदेश मंत्री एस जयशंकर से अनुरोध करता हूं कि वे शवों को भारत वापस लाएं और यदि कोई घायल हुआ है तो यह सुनिश्चित करें कि उन्हें उचित चिकित्सा उपचार मिले। इससे पहले आज, एएनआई के साथ टेलीफोन पर बातचीत में, असदुद्दीन ओवैसी ने सऊदी अरब में हुई बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। तेलंगाना सरकार ने कहा कि स्थानीय मीडिया में इस दुर्घटना में भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों के मारे जाने की खबर आने के बाद वह रियाद स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में है। राज्य सरकार ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में अधिकारियों को सतर्क कर दिया है और उन्हें दूतावास अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं। तेलंगाना के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के अनुसार, मक्का से मदीना जा रही बस में हैदराबाद के कई निवासी सवार थे। हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर गौरव उप्पल को सूचित किया।

रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को भुगतने पड़ेंगे बेहद बुरे परिणाम, ट्रंप ने कड़े प्रतिबंधों का किया ऐलान

रूस के युद्धकालीन राजस्व को रोकने की अमेरिकी कोशिशें रविवार को और तेज़ हो गईं, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह सीनेट के नए विधेयक का समर्थन करेंगे, जो वाशिंगटन को उन देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है जो अभी भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं। ट्रंप ने फ्लोरिडा से व्हाइट हाउस के लिए रवाना होने से पहले संवाददाताओं से कहा, रिपब्लिकन एक ऐसा कानून बना रहे हैं जो रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर कड़े प्रतिबंध वगैरह लगाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।